आश्विन कृष्णा - 12 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 79 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 11-10-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 अजित पवार ने खुद को राकांपा का अध्यक्ष बताया
6 मतदाता जागरूक बनें एवं दिखाएं अपनी ताकत
7 सबसे अमीर भारतीय बने मुकेश अंबानी

फर्स्ट टेक

दयानिधि मारन के खाते से धोखाधड़ी कर एक लाख रुपये निकाले गये

चेन्नई/भाषा। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सांसद दयानिधि मारन ने शिकायत दर्ज कराई है कि उन्हें एक अज्ञात व्यक्ति से फोन कॉल आया था जिसके बाद उनके बैंक खाते से एक लाख रुपये निकाल लिये गये जबकि उन्होंने फोन करने वाले से कोई जानकारी साझा नहीं की। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पूर्व केंद्रीय मंत्री दयानिधि मारन ने अपनी शिकायत में कहा कि उन्हें आठ अक्टूबर को 'अज्ञात नंबर' से फोन कॉल आया था। फोन आने के बाद उनके बैंक खाते से 99,999 रुपये कट गये। उन्होंने कहा कि उन्हें अज्ञात व्यक्ति से फोन आया था जिसने किसी बैंक का कर्मी होने का दावा किया था और लेनदेन का ब्योरा मांगा था। पुलिस ने शिकायत के हवाले से बताया कि कॉल करने वाले के साथ कोई जानकारी साझा नहीं की गई, लेकिन थोड़ी देर में पता चला कि एक अनधिकृत निकासी हुई है।

हैदराबाद में 3.35 करोड़ रुपये की हवाला रकम जब्त, चार गिरफ्तार

हैदराबाद/भाषा। पुलिस ने हैदराबाद में मंगलवार को चार व्यक्तियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 3.35 करोड़ रुपये की बेहिसाबी नकदी जब्त की। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम क्षेत्र) जोएल डेविस ने बताया कि वाहनों की तलाशी के दौरान अधिकारियों को एक कार से 3.35 करोड़ रुपये नकद मिले। पूछताछ के दौरान कार में सवार चार लोगों ने बताया कि वे 'हवाला' राशि इकट्ठी करते हैं तथा उसे यहां विभिन्न स्थानों पर पहुंचाते हैं। पुलिस के मुताबिक, इन लोगों ने बताया कि एक करोड़ रुपये पहुंचाने के लिए वे 25,000 रुपये का कमीशन लेते हैं। हैदराबाद पुलिस के एक बयान के अनुसार, इन लोगों ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों से हवाला रकम एकत्र की थी। मामले की जांच जारी है।

टोंगा द्वीप समूह में 5.6 तीव्रता का भूकंप

नुकुअलोफा/वार्ता। दक्षिण प्रशान्त महासागर में स्थित एक द्वीपमण्डल देश टोंगा द्वीप समूह में मंगलवार को भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। जीएफजेड जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने बताया कि रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5.6 आंकी गयी। इसका केंद्र 15.48 डिग्री दक्षिण अक्षांश और 174.55 डिग्री पश्चिम देशांतर पर जमीन की सतह से 10.0 किमी की गहराई में स्थित था। भूकंप से जानमाल की क्षति की फिलहाल कोई सूचना नहीं है।

सूर्यास्त 11-10-2023 5:52 बजे | सूर्योदय 12-10-2023 5:58 बजे

BSE	NSE
66,079.36	19,689.85
(+566.97)	(+177.50)

सोना	चांदी
5,998 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	75,500 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बदले तेवर

वे बने शांति के दूत आज,
जो कभी क्रांति के नायक थे।
वे लगे भटकने खुद विधि से,
जो रह गए कभी विधायक थे।
त्यागी उनने रथ वल्गाएं,
जो खुद गीता के गायक थे।
वे भी अब टिकट जुगाड़ हैं,
जो बिल्कुल ही नालायक थे।।

मोदी ने नेतन्याहू से कहा

इस मुश्किल घड़ी में इजराइल के साथ है भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को अपने इजराइली समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू से कहा कि इस मुश्किल घड़ी में भारत के लोग उनके देश के साथ दृढ़ता से खड़े हैं।

इजराइल के प्रधानमंत्री ने हमास के खिलाफ जवाबी हमलों के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फोन कर अद्यतन स्थिति से अवगत कराया।

हमास के चरमपंथियों ने इजराइल की दक्षिणी सीमा पर सप्ताहांत में हमले कर सैकड़ों इजराइलियों को मार दिया था।

प्रधानमंत्री मोदी के कार्यालय ने एक बयान में कहा कि उन्होंने मारे गये और घायल हुए लोगों के प्रति अपनी गहन संवेदना प्रकट की। मोदी ने इजराइल में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा का मुद्दा भी उठाया। नेतन्याहू ने मोदी को पूरे सहयोग का आश्वासन दिया।

मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''मैं प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के फोन कॉल के लिए और मौजूदा हालात पर जानकारी देने के लिए उन्हें शुक्रिया अदा करता हूं। भारत की जनता इस मुश्किल घड़ी में मजबूती से इजराइल के साथ खड़ी है। भारत आतंकवाद के सभी स्वरूपों की पुरजोर और स्पष्ट रूप से निंदा करता है।''

आप विधायक अमानतुल्ला खान के ठिकानों पर छापेमारी

नई दिल्ली/वार्ता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली वक्फ बोर्ड में कथित भर्ती से जुड़े एक मामले में मंगलवार को ओखला से आम आदमी पार्टी (आप) विधायक अमानतुल्ला खान के परिसरों की 10 घंटे से अधिक समय तक तलाशी ली। खान ने अपने परिसरों पर केंद्रीय जांच एजेंसी की तलाशी के बाद मीडियाकर्मियों को बताया कि ईडी के अधिकारी सुबह उनके परिसरों में पहुंचे। यह तलाशी 2016 में केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज की गई एक प्राथमिकी के संबंध में ली गई थी, जिसके लिए आरोप पत्र पहले ही दाखिल किया जा चुका है और सुनवाई जारी है।

सूत्रों ने बताया कि ईडी ने इस घोटाले के मनी लॉन्ड्रिंग पहलू की जांच के तहत खान के परिसरों पर छापेमारी की।

ब्रिक्स अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा सम्मेलन की मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली/भाषा। भारत इस सप्ताह राष्ट्रीय राजधानी में आठवें ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और द. अफ्रीका) अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा सम्मेलन की मेजबानी करेगा। इस कार्यक्रम में 600 से अधिक प्रतिनिधियों के हिस्सा लेने की उम्मीद है। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की अध्यक्ष रवनीत कौर ने मंगलवार को यहां पत्रकारों को बताया कि सम्मेलन में तीन पूर्ण और चार 'ब्रेकआउट' सत्र होंगे।

प्रौद्योगिकी विकास के साथ तालमेल बनाना वायु सेना का दृष्टिकोण : वायु सेना प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय वायु सेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी ने मंगलवार को कहा कि अपने शताब्दी दशक के लिए भारतीय वायु सेना का दृष्टिकोण प्रौद्योगिकी विकास के साथ तालमेल बनाए रखना और अपनी परिचालन क्षमताओं को बढ़ाने की दिशा में काम करना है।

वह वायु सेना के 91वें स्थापना दिवस के कुछ दिन बाद दिल्ली में 'भारत शक्ति' द्वारा आयोजित 'इंडिया डिफेंस कॉन्क्लेव 2023' को संबोधित कर रहे थे। वायु सेना प्रमुख ने कहा, ''जब हम अपने शताब्दी दशक में बढ़ रहे हैं तो मेरा मानना है कि अगले 10 साल में वायु सेना के दृष्टिकोण को सामने रखना उचित होगा।'' उन्होंने कहा, ''बहुत स्पष्ट रूप से, हमारे नए सिद्धांत ने वायु सेना की दृष्टि को एक चुस्त और अनुकूल वायु सेना के रूप में व्यक्त किया है जो हमारे राष्ट्रीय हितों को आगे बढ़ाने में निर्णायक वायु शक्ति प्रदान करती है।''

वायु सेना प्रमुख ने एक पॉवर प्वाइंट प्रस्तुतिकरण में वायु सेना के दृष्टिकोण को रेखांकित किया।

फ्लिपकार्ट कंपनी में हुई लाखों की चोरी का खुलासा, कैशियर सहित तीन गिरफ्तार

नोएडा/भाषा। जिले में थाना सेक्टर 58 पुलिस ने फ्लिपकार्ट कंपनी में चोरी करने के आरोप में कंपनी के कैशियर सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से करीब चार लाख रुपए नगद और कीमती सामान बरामद किया है।

थाना सेक्टर 58 के प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह ने मंगलवार को बताया कि एक सूचना के आधार पर आज थाना पुलिस ने फ्लिपकार्ट कंपनी में कैशियर के रूप में काम करने वाले पीकेश तथा उसके दोस्त रविंद्र यादव और अंकित कुमार को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इन लोगों के पास से पुलिस ने चार लाख 5 हजार 230 रुपए नगद, फ्लिपकार्ट कंपनी से चोरी किए गए 10 डब्बे, जिसमे लाखों रुपए कीमत का सामान रखा है, आदि बरामद किया है। सिंह ने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपी पीकेश फ्लिपकार्ट कंपनी में कैशियर है और उसने अपने साथियों के संग मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया।

पीकेश ने रविंद्र और अंकित को तिजोरी की चाबी दी तथा वहां से चला गया। दोनों आरोपी कंपनी में आए तथा चोरी की घटना को अंजाम देकर चले गए।

भारत और इटली रक्षा क्षेत्र में सहयोग बढाने के लिए सहमत

नई दिल्ली/वार्ता। भारत और इटली ने अनुसंधान एवं विकास, सह-विकास, सह-उत्पादन और संयुक्त उद्यमों की स्थापना सहित विभिन्न रक्षा क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की इटली और फ्रांस की यात्रा के पहले चरण में सोमवार को रोम में इटली के रक्षा मंत्री ग्वीदो क्रोसेत्तो के साथ बातचीत के बाद इस समझौते पर हस्ताक्षर किये गये। बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने प्रशिक्षण, सूचना साझा करने, समुद्री अभ्यास और समुद्री सुरक्षा सहित रक्षा सहयोग के कई मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में रक्षा उद्यमों में सहयोग के अवसरों का पता लगाने पर मुख्य रूप से चर्चा हुई। दोनों मंत्रियों ने रक्षा क्षेत्र में भारत और इटली की परस्पर क्षमताओं तथा संयुक्त विकास की संभावनाओं पर चर्चा की।

इज़राइल की गाजा पर बमबारी

- इजराइल में हमास के करीब 1500 आतंकवादियों के शव मिले, सीमा सुरक्षित : इजराइली सेना
- हमास के इजरायल में किए गए हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 1008 पहुंची

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यरूशलम/एपी। इजराइल के युद्धक विमानों ने युद्ध के चौथे दिन मंगलवार सुबह गाजा पट्टी में लगातार बमबारी की जिससे इमारतें मलबे में तब्दील हो गई हैं और लोग नाकेबंदी वाले इस क्षेत्र में सुरक्षित ठिकाना तलाशने के लिए यहां-वहां भागते रहे।

वहीं, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा पट्टी पर शासन करने वाले समूह हमास से ऐसा बदला लेने का संकल्प लिया है जिसकी ''गूंज कई पीढ़ियों तक सुनायी देगी।''

सहायता संगठनों ने गाज़ा में मदद पहुंचाने के लिए मानवीय गलियारा बनाने का आग्रह किया है, और आगाह किया है कि अस्पतालों में जख्मी भरे पड़ें हैं और उनके पास जरूरी दवाइयों की कमी हो गई है।

इज़राइल ने गाजा की खाद्य, ईंधन व दवाइयों तक पहुंच को रोक दिया है और मिस्र से संपर्क के एक मात्र रास्ते को मंगलवार को इसके (रास्ते के) करीब किए गए हवाई हमलों के बाद बंद कर दिया गया है।

गाजा में शासन करने वाले चरमपंथी समूह हमास ने शनिवार को इजराइल पर अचानक और भीषण हमले किए जिसके बाद दशकों में पहली बार सड़कों पर लड़ाई हुई। अबतक दोनों तरफ से कम से कम 1600 लोगों की मौत हो चुकी है। इज़राइल के मुताबिक, हमास और अन्य चरमपंथी समूहों ने गाजा में 150 से ज्यादा सैनिकों व आम लोगों बंधक बना लिया है।

देश की मीडिया के मुताबिक, संघर्ष और बढ़ने की आशंका है, क्योंकि इज़राइल ने आरक्षित सैनिकों की संख्या मंगलवार को बढ़ाकर 3.60 लाख कर दी।

कई दिनों की लड़ाई के बाद, इज़राइल की सेना ने मंगलवार सुबह कहा कि उसने दक्षिण में उन इलाकों पर फिर से प्रभावी नियंत्रण प्राप्त कर लिया है जिनपर हमास ने हमला किया था। उन्होंने कहा कि साथ में गाजा सीमा पर नियंत्रण हासिल कर लिया है।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा पट्टी पर शासन करने वाले समूह हमास से ऐसा बदला लेने का संकल्प लिया है जिसकी ''गूंज कई पीढ़ियों तक सुनायी देगी।''

'न्यूज़क्लिक' मामला:

पुरकायस्थ व चक्रवर्ती को 10 दिन की न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने समाचार पोर्टल 'न्यूज़क्लिक' के संस्थापक प्रबीर पुरकायस्थ और वेबसाइट के मानव संसाधन विभाग के प्रमुख अमित चक्रवर्ती को मंगलवार को 10 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। उन्हें गैर कानूनी गतिविधियां रोकथाम (यूएपीए) अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि चीन के पक्ष में प्रचार करने के लिए समाचार पोर्टल को विदेश से पैसे मिले थे। दोनों को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हरदीप कौर की अदालत में अपराह्न लगभग 2:50 बजे पेश किया गया। न्यायाधीश कौर ने कहा, ''यह स्वीकृत स्थिति है कि वर्तमान मामले में कार्यवाही के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय से कोई रोक नहीं है।'' उन्होंने कहा, आवेदन और रिकॉर्ड में उद्धृत आधारों के मद्देनजर, आरोपी प्रबीर पुरकायस्थ और अमित चक्रवर्ती को 10 दिन के लिए न्यायिक हिरासत में भेजा जाता है और उन्हें 20 अक्टूबर को पेश किया जाएगा। अभियोजन ने अदालत से आग्रह किया कि दोनों को 10 दिन के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया जाए।

भारत, तंजानिया मिलकर कर सकते हैं कई क्षेत्रों में काम : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को यहां भारत-तंजानिया निवेश फोरम की बैठक में तंजानिया की राष्ट्रपति सामिया सुलुहु हसन का स्वागत करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच मित्रता को अब रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ा दिया गया है और इससे दोनों देशों के बीच अद्भुत आपसी लगाव एवं व्यापारिक संबंध आने वाले वर्षों में और भी अधिक मजबूत होंगे।

गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'वैश्विक दक्षिण' को एक मंच पर लाने के बड़े हिमायती हैं। उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में भारत-अफ्रीका साझेदारी काफी फली-फूली है और प्रधानमंत्री मोदी ने अफ्रीकी संघ को जी20 का पूर्ण सदस्य बनाने के लिए सहमति बनाने का जो प्रयास किया, वह आखिरकार सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो आधुनिक एवं जीवंत देशों के बीच इस साझेदारी को एक अत्यंत निर्णायक और महत्वपूर्ण रिश्ते के रूप में देखते हैं जो समावेशी एवं सतत विकास के लिए अफ्रीका और भारत के दो अरब लोगों की भलाई के लिए काम करेगी। गोयल ने बताया कि दोनों देशों का समृद्ध इतिहास रहा है एवं हमारे संबंध दशकों पुराने हैं और यह देखते हुए कि महात्मा गांधी ने अपना पहला पाठ अफ्रीका में ही सीखा था। गोयल ने कहा कि हमारे स्वतंत्रता संग्राम में बहुत समानता है, हमने गुट-निरपेक्ष राष्ट्रों के रूप में आपस में मिलकर काम किया है और हमने अपनी-अपनी अर्थव्यवस्थाओं को सफलतापूर्वक उपनिवेशवाद से मुक्ति दिलाई है। उन्होंने कहा कि अब एक-दूसरे के साथ हमारा महत्वपूर्ण जुड़ाव हैं और हम निवेश से लेकर स्टार्टअप्स तक, स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र से लेकर व्यवसाय और व्यापार तक पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसमें व्यापक संभावनाएं हैं और हमारे समस्त कारोबारी इस रिश्ते को आगे बढ़ाने, विस्तार करने और दोनों ही देशों में नौकरियों एवं उद्यमियों के लिए वास्तव में अवसर प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता से दोनों देशों को सही मायनों में गौरवान्वित करेंगे।

फटी जीन्स, हाफ पैंट में नहीं मिलेगा जगन्नाथ मंदिर में प्रवेश, एक जनवरी से लागू होगा 'ड्रेस कोड'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुरी/भाषा। ओडिशा के पुरी में स्थित प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर में अब कोई भी श्रद्धालु फटी जीन्स, बिना आस्तीन वाले वस्त्र और हाफ पैंट पहन कर प्रवेश नहीं कर सकेगा। 12वीं सदी के इस मंदिर में एक जनवरी से श्रद्धालुओं के लिए 'ड्रेस कोड' लागू हो जाएगा।

मंदिर प्रशासन ने कहा है कि मंदिर समुद्री तट या पार्क नहीं है, मंदिर में भगवान रहते हैं, ये कोई मनोरंजन स्थल नहीं है।

श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन के प्रमुख रंजन कुमार दास ने कहा, 'मंदिर की गरिमा और पवित्रता बनाए रखना हमारी जिम्मेदारी है। दुर्भाग्यवश, कुछ लोग दूसरों लोगों की धार्मिक भावनाओं की परवाह किए बिना मंदिर में आ जाते हैं।' उन्होंने कहा, 'कुछ लोगों को मंदिर में फटी जीन्स, बिना आस्तीन वाले वस्त्र और हाफ पैंट पहने देखा गया मानो ये लोग समुद्री तट या पार्क में घूम रहे हों। मंदिर में भगवान रहते हैं, मंदिर मनोरंजन का कोई स्थान नहीं है।'

उनके अनुसार, मंदिर में आने के लिए स्वीकृत पोशाकों पर निर्णय जल्द ही लिया जाएगा।

मंदिर प्रशासन के अधिकारियों ने इसके साथ ही यह भी बताया कि मंदिर के 'सिंह द्वार' पर तैनात सुरक्षा कर्मियों और मंदिर के अंदर प्रतिहारी सेवकों को ड्रेस कोड लागू करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने सोमवार को बताया कि मंदिर में कुछ लोगों को 'अशोभनीय' पोशाक में देखे जाने के बाद 'नीति' उप-समिति की बैठक में श्रद्धालुओं के लिए 'ड्रेस कोड' लागू करने का निर्णय लिया गया।

रंजन कुमार दास ने कहा, 'मंदिर में एक जनवरी, 2024 से 'ड्रेस कोड' लागू किया जाएगा। मंदिर के 'सिंह द्वार' पर तैनात सुरक्षा कर्मियों और मंदिर के अंदर प्रतिहारी सेवकों को ड्रेस कोड लागू करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।' उन्होंने कहा कि मंदिर प्रशासन मंगलवार से श्रद्धालुओं को 'ड्रेस कोड' के संबंध में जागरूक करेगा।

दास ने कहा कि हाफ-पैंट, शॉर्ट्स, फटी जीन्स, स्कर्ट और बिना आस्तीन वाले कपड़े पहने लोगों को मंदिर में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।

'मातृछाया' के निशुल्क कैंसर परीक्षण शिविर में लाभान्वित हुई सैकड़ों महिलाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय 'मातृछाया' जैन महिला संगठन अपने रजत जयंती के उपलक्ष्य में महिलाओं के लिए नि:शुल्क कैंसर परीक्षण शिविर का आयोजन 10 व 11 अक्टूबर को संभवनाथ जैन भवन में किया। पहले दिन करीब 150 महिलओं ने जांच करवाई। इस शिविर में मुंबई से कैंसर परीक्षण विशेषज्ञ डाक्टरों की टीम द्वारा अत्याधुनिक मशीनों से एडवांस नैनो टेक्नोलॉजी द्वारा फेदर टच विधि से दर्द रहित परीक्षण किया। संगठन की मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी एवं अध्यक्ष ललिता नागोरी ने बताया कि कैंसर की रोकथाम के लिए जागरूकता हेतु संगठन द्वारा 18 वर्ष से 80 वर्ष की उम्र की महिलाओं के लिए ब्रेस्ट कैंसर ड्राइव का भी आयोजन किया गया। बुधवार को जरूरतमंद परिवार की महिलाओं की जांच की जाएगी। कार्यक्रम में अध्यक्ष ललिता नागोरी, मंत्री रेशमा बड़ोला, परामर्शक रतनीबाई मेहता सहित बड़ी संख्या में मातृछाया की सदस्याएं उपस्थित थीं।

'खुद को हमेशा सबसे महत्वपूर्ण समझें'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरी ट्रस्ट मामुलपेट के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में गुरु राजेन्द्र भवन किलारी रोड में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि खुद को हमेशा सबसे महत्वपूर्ण समझें। दूर दृष्टि से बनता है सकारात्मक दृष्टिकोण। संसार एक विशाल समुद्र है। हमें लगता है हमारी गणना नहीं होती, मगर ऐसा नहीं है। सूर्य एक-एक किरण से है, रेशों से रस्सी है, बूंद-बूंद से समुद्र है, कोशिकाओं से शरीर बनता है, ऐसे ही एक-एक व्यक्ति से संसार बनता है। आपके बिना यह सृष्टि अधूरी है। जैसे बत्तीस दांतों का पूरे मुख में महत्व है, दांत टूट कर गिर गया तो वहां की शोभा तो बिगाड़ ही देगा, मगर जहां जाएगा वहां की शोभा भी नहीं बनेगी।

बातों की शोभा अपनी जगह है। तिनकों को जोड़कर झाड़ू बना लिया जाए तो उससे कूड़ा साफ होता है, लेकिन टूट कर गिर जाए तो कूड़ा हैं। मेघराज भंसाली ने बताया कि पूजन का लाभ जयंतीलाल पटियात, प्रदीप वेदमुथा, मुकेश श्रीश्रीमाल, भरत जैन ने लिया।

प्रार्थना व भक्ति में है असीम ताकत : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणेबेन्नूरु। शहर के सुमतिनाथ जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि हृदय से उठकर होठों तक जो आए उससे पहले ही जो भगवान तक पहुँच जाए उसका नाम है भक्ति-प्रार्थना।

दुनिया की सबसे बडी ताकत है भक्ति-प्रार्थना। प्रार्थना से हमारा हृदय आत्मविश्वास से भर जाता है कि प्रभु मेरे साथ है। पवित्र जीवन जीने का मार्ग हमारे मन में आता है। जब हम यह प्रार्थना करते हैं तो मिलता है सच्चा सुख। काम की शुरुआत में ही जिसने प्रभु को अपना मान लिया उसका काम फलीभूत होता है। हर व्यक्ति को अपने घर में प्रार्थना की आदत डालनी

केंद्रीय मंत्री आठवले ने गोवा में एससी व एसटी के लिए 5% आरक्षण की मांग की

पणजी/भाषा। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने मंगलवार को गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत से मुलाकात की और उनके समक्ष राज्य में अनुसूचित जाति (एससी) एवं अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लोगों को पांच प्रतिशत आरक्षण देने समेत विभिन्न मांगें रखीं। आठवले ने पोरवोरिम स्थित मंत्रालय में मुख्यमंत्री के साथ मुलाकात की। भेंट के बाद आठवले ने संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने मांग की है कि एससी और एसटी समुदायों के लिए आरक्षण को मौजूदा दो प्रतिशत से बढ़ाकर पांच फीसदी किया जाए तथा पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत मनोहर पर्रिकर ने सार्वजनिक रूप से इसकी घोषणा की थी।

केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि पोरवोरिम में प्रस्तावित डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर भवन की आधारशिला इस साल छह दिसंबर से पहले रखी जानी चाहिए। आठवले ने कहा, राज्य सरकार को एससी और एसटी के उन लोगों को संपत्ति का स्वामित्व देना चाहिए जिनकी संपत्ति गोवा में मंदिर समितियों की संपत्ति के हिस्से के रूप में शामिल हैं। इन समुदायों के लोगों को राज्य में खेती के लिए जमीन उपलब्ध करायी जानी चाहिए।

कौशल विकास संस्थानों के आधुनिकीकरण के लिए कार्यक्रम शुरू करेंगे आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी राज्य भर में कौशल विकास और प्रशिक्षण संस्थानों के आधुनिकीकरण के लिए 16 अक्टूबर को विशाखापत्तनम में 100 करोड़ रुपये की लागत से एक कार्यक्रम शुरू करेंगे। मुख्यमंत्री का विभिन्न विधाओं में प्रशिक्षित उम्मीदवारों को नौकरी के प्रस्ताव पत्र वितरित करने का भी कार्यक्रम है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में मंगलवार को कहा गया, मुख्यमंत्री राज्य भर में कौशल विकास और प्रशिक्षण संस्थानों के आधुनिकीकरण के लिए 100 करोड़ रुपये का कार्यक्रम शुरू करेंगे, विभिन्न कौशल में प्रशिक्षित व्यक्तियों को नौकरी के प्रस्ताव पत्र जारी करेंगे तथा इस दौरान प्रमुख उद्योगों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाएंगे जो कौशल विकास गतिविधियों में अग्रणी भूमिका निभाएंगे।

पहले चरण के तहत, राज्य सरकार ने केआईए मोटर्स, एलएंडटी, जेएसडब्ल्यू, सैमसंग, अल्ट्राटेक, श्नाइडर इलेक्ट्रिक, हुंडई स्टील और जॉनसन लिफ्ट्स एंड एस्केलेटर जैसे 182 उद्योगों के साथ गठजोड़ को अंतिम रूप दिया है। इन उद्योगों से उम्मीद की जाती है कि वे उभरते रुझानों के अनुरूप मिशन मोड में नवीनतम कौशल बुनियादी ढांचे का निर्माण करने के लिए दक्षिणी राज्य के साथ मिलकर काम करेंगे।

राज्य सरकार के अनुसार, जून 2019 से सितंबर 2023 के बीच 14 लाख से अधिक उम्मीदवारों को विभिन्न नौकरियों और स्वरोजगार कौशल के लिए प्रशिक्षित किया गया। मुख्य रूप से, आंध्र प्रदेश में सभी कौशल विकास संबंधी कार्यक्रमों के लिए वन-स्टॉप समाधान के रूप में बंदरगाह शहर में एक वेब पोर्टल और एक मोबाइल एप्लिकेशन, 'स्किल यूनिवर्स' भी लॉन्च किया जाएगा।

केसीआर ने गरीबों के लिए कभी काम नहीं किया, केवल बेटे को तेलंगाना का मुख्यमंत्री बनाना चाहा : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आदिलाबाद (तेलंगाना)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने अपने पिछले 10 वर्ष के शासनकाल में कभी गरीबों के लिए काम नहीं किया, बल्कि केवल इस बात पर ध्यान केंद्रित किया कि अपने बेटे के.टी. रामाराव को राज्य का मुख्यमंत्री कैसे बनाया जाए। शाह ने यहां जनसभा में आरोप लगाया कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने आदिवासियों के लिए डबल बेडरूम आवास जैसे चुनावी वादे पूरे नहीं किए। शाह ने कहा, केसीआर का लक्ष्य केवल अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाना है। लेकिन भाजपा का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि आदिलाबाद के प्रत्येक आदिवासी को शिक्षा, नौकरी और किसानों को जल मिले।

मुख्यमंत्री राव को केसीआर के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने कहा, आपके पास दो विकल्प हैं। एक केसीआर सरकार है जो अपने बेटे और बेटी के बारे में सोचती है और दूसरी तरफ आपके पास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं जो दलितों, गरीबों और आदिवासियों के बारे में सोचते हैं। शाह ने कहा कि तेलंगाना को डबल इंजन सरकार की जरूरत है यानी केंद्र के साथ-साथ राज्य में भी मोदी सरकार। उन्होंने विश्वास जताया कि 30 नवंबर को चुनाव के बाद प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा तेलंगाना में सरकार बनाएगी। शाह ने आरोप लगाया कि तेलंगाना किसानों की आत्महत्या और महिलाओं एवं बच्चों के खिलाफ अपराध में नंबर एक बन गया है। उन्होंने यह आरोप भी दोहराया कि ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी के पास केसीआर की कार का 'स्टीयरिंग' है। सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी का चुनाव चिन्ह कार है। उन्होंने आरोप लगाया कि केसीआर सरकार मजलिस (एआईएमआईएम) के इशारे पर चल रही है। शाह ने पूछा, क्या आप चाहते हैं कि तेलंगाना मजलिस के निर्देशों पर चले? उन्होंने लोगों से केसीआर सरकार को हटाने और भाजपा सरकार को चुनने की अपील की। शाह ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने पहले अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण में देरी की थी। हालांकि, प्रधानमंत्री मोदी ने मंदिर के निर्माण की पहल की और भव्य मंदिर जनवरी, 2024 तक तैयार हो जाएगा।

सरकारी एनबीएफसी पर अक्टूबर, 2024 से लागू होंगे पीसीए नियम: आरबीआई

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मंगलवार को कहा कि त्वरित उपचारात्मक कार्रवाई (पीसीए) प्रारूप के तहत सख्त निगरानी मानदंड अक्टूबर, 2024 से सरकारी स्वामित्व वाली गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) पर लागू हो जाएंगे।

किसी वित्तीय इकाई को पीसीए प्रारूप के तहत रखे जाने पर उसके लाभांश वितरण/ मुनाफे को कहीं भेजने, प्रवर्तकों/ शेयरधारकों को इक्विटी में निवेश या बिक्री करने और समूह कंपनियों की ओर से गारंटी देने या अन्य आकस्मिक देनदारियां लेने पर बंदिशें लग जाती हैं।

रिजर्व बैंक ने 14 दिसंबर, 2021 को एनबीएफसी इकाइयों के लिए पीसीए प्रारूप जारी किया था। पहले निजी क्षेत्र की एनबीएफसी कंपनियों को ही इसके दायरे में रखा गया था लेकिन अब सार्वजनिक क्षेत्र की एनबीएफसी को भी इसके तहत लाने का फैसला किया गया है।

पीजीआई-चंडीगढ़ के नेहरू ब्लॉक में आग लगी, 400 से अधिक मरीजों को सुरक्षित निकाला गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पीजीआईएमईआर-चंडीगढ़ अस्पताल के नेहरू ब्लॉक की एक मंजिल पर सोमवार देर रात आग लग गई, जिसके बाद वहां भर्ती 400 से अधिक मरीजों को निकालकर सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि आग पहली मंजिल पर स्थित कंप्यूटर कक्ष के ''यूपीएस सिस्टम'' में लगी और इससे निकला धुआं ऊपरी मंजिलों तक पहुंच गया। निकाले गए मरीजों में गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) से 34 और 80 गर्भवती महिलाएं शामिल हैं। बाल चिकित्सा वार्ड में भर्ती 73 बच्चों को भी सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया।

अधिकारियों के मुताबिक, दमकल कर्मी फौरन मौके पर पहुंचे और कुछ देर बाद आग पर काबू पा लिया। सूचना मिलने के बाद अग्निशमन विभाग, आपातकालीन सेवा, आपदा प्रबंधन विभाग, पुलिस और पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च की आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम तुरंत हरकत में आ गई। पीजीआईएमईआर और आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि सभी मरीजों को तुरंत निकालकर सुरक्षित जगहों और अन्य वॉर्ड में स्थानांतरित कर दिया गया। पीजीआईएमईआर के चिकित्सा अधीक्षक विपिन कौशल ने बताया, ''हमने 424 मरीजों को निकाला। हमारे पास नेहरू अस्पताल में भवन है, जहां उनमें से कुछ को स्थानांतरित किया गया... चंडीगढ़ प्रशासन के सहयोग से पीजीआई में सभी ने एक टीम के रूप में काम किया।''

आर के सिंह ने सऊदी अरब के निवेशकों को भारत के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश को आमंत्रित किया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय बिजली मंत्री आर. के. सिंह ने सऊदी अरब के निवेशकों को देश के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा उद्योग में निवेश के लिए आमंत्रित किया है। एक आधिकारिक बयान में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के अनुसार, मंत्री ने सोमवार को सऊदी अरब में सऊदी के व्यावसायिक जगत के लोगों और निवेशकों की एक सभा को संबोधित करते हुए भारत में निवेश का आह्वान किया। मंत्रालय ने कहा, '' भारत और सऊदी अरब नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में एक-दूसरे के देश में निवेश को बढ़ावा देने पर सहमत हुए हैं। सिंह ने उन्हें (सऊदी व्यापार जगत के लोगों और निवेशकों को) भारत में सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन आदि जैसे नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया है।''

इससे पहले केंद्रीय बिजली एवं नवीन व नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री सिंह ने सऊदी अरब के ऊर्जा मंत्री अब्दुलअजीज बिन सलमान अल-सऊद के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। भारत और सऊदी अरब ने विद्युत अंतर्संबंध, हरित/स्वच्छ हाइड्रोजन और आपूर्ति श्रृंखला के क्षेत्र में सहयोग के लिए एक शुरुआती समझौते पर रविवार को हस्ताक्षर किए थे। समझौता ज्ञापन (एमओयू) का मकसद उच्च मांग और आपात स्थिति में विद्युत अंतर्संबंध और बिजली के आदान-प्रदान के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहयोग के लिए आम ढांचा स्थापित करना है।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने केरल के श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर में की पूजा-अर्चना

तिरुवनंतपुरम/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने मंगलवार को यहां प्रसिद्ध श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि आरएसएस प्रमुख सुबह छह बजकर 40 मिनट पर मंदिर पहुंचे जहां भगवान विष्णु की प्रतिमा 'अनंत शयनम' यानी लेटी हुई मुद्रा में विराजमान है। सूत्रों के अनुसार, भागवत सात अक्टूबर से केरल में हैं। वह राज्य में आरएसएस के अखिल भारतीय नेताओं की बैठक के लिए पहुंचे हैं। यह मंदिर इस क्षेत्र में भगवान विष्णु को समर्पित प्रमुख मंदिरों में से एक है। सदियों पुराना यह मंदिर कुछ समय पहले हैरान कर देने वाली संपत्ति की खोज के कारण चर्चाओं में आया था। तब इसके तहखाने से कीमती वस्तुएं, सोने के आभूषण, कीमती पत्थरों से बनी प्रतिमाएं, जेवरात, ठोस सोने सिक्कों के ढेर, चांदी एवं सोने के बर्तन और लैंप मिले थे।

दूरसंचार कंपनियों ने पीएलआई योजना के तहत अब तक 2,419 करोड़ रुपये का निवेश किया : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को कहा कि उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत दूरसंचार कंपनियों ने लक्षित 4,115 करोड़ रुपये में से 2,419 करोड़ रुपये का निवेश कर लिया है। इससे 17,753 लोगों को रोजगार मिला है।

सरकार ने अक्टूबर, 2022 में 42 कंपनियों को इस योजना के तहत चुना था। इन कंपनियों ने 2025-26 को समाप्त होने वाली छह साल की योजना अवधि के दौरान कुल 4,115 करोड़ रुपये का निवेश करने, 2.45 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त बिक्री उत्पन्न करने और 44,000 से अधिक लोगों को रोजगार देने की प्रतिबद्धता जतायी है। वैष्णव ने कहा, '' आज दूरसंचार क्षेत्र में हमने एक बड़ा मील का पत्थर पार कर लिया है जहां पीएलआई-समर्थित कंपनियों ने पहले ही 2,419 करोड़ रुपये का निवेश कर लिया है। बिक्री 34,516 करोड़ रुपये है, निर्यात 7,600 करोड़ रुपये है और 17,753 लोगों को रोजगार मिला है। यह दूरसंचार उद्योग के लिए एक बड़ा मील का पत्थर है।''

मंत्री ने घरेलू कंपनी वीवीडीएन द्वारा अमेरिका स्थित टेलिट सिंटरियन के लिए 4जी तथा 5जी कनेक्टिविटी मॉड्यूल व डेटा कार्ड बनाने के लिए एक उत्पादन लाइन का ऑनलाइन उद्घाटन करते हुए यह बात कही। वैष्णव ने कहा, '' बेहद जटिल विनिर्माण शुरू हो गया है और युवा लड़कियों को जटिल मशीनों को चलाने का प्रशिक्षण मिल रहा है। यह 'मेक इन इंडिया' और हमारे प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण की सफलता है।'' वीवीडीएन पीएलआई योजना के तहत चुनी गई कंपनियों में से एक है।

विमानन कंपनियों ने युद्ध के चलते इजराइल आने-जाने वाली उड़ानों पर रोक लगाई

वाशिंगटन/एपी। इजराइल और हमास के बीच जारी युद्ध के बीच प्रमुख विमान कंपनियों ने इजराइल में उड़ानों की आवाजाही पर रोक लगा दी है। इजराइल ने गाजा में 1,000 से अधिक हमले किए हैं जबकि फलस्तीनी चरमपंथी भी लगातार रॉकेटों की बौछार कर रहे हैं, जिसके चलते यरूशलम में हवाई हमलों के सायरन बज रहे हैं।

सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में तेल अवीव के बेन गुरियन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के एक टर्मिनल के पास धुएं का गुबार दिखाई दे रहा है। अमेरिकन एयरलाइन्स, यूनाइटेड एयरलाइन्स और डेल्टा एयरलाइन्स ने अपनी सेवाएं निलंबित कर दी हैं। कंपनियों ने यह फैसला आतंकवाद और नागरिक अशांति की आशंका का हवाला देते हुए इस क्षेत्र के लिए अमेरिकी विदेश विभाग की ओर से यात्रा परामर्श जारी होने के बाद लिया है।

अमेरिकन एयरलाइंस ने शुक्रवार तक तेल अवीव के लिए सेवा निलंबित कर दीं। कंपनी ने कहा, हम सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए स्थिति की निगरानी करना जारी रखेंगे और अपनी उड़ानों को समायोजित करेंगे।

यूनाइटेड एयरलाइंस ने कहा कि उसने शनिवार देर रात और रविवार तड़के तेल अवीव से दो निर्धारित उड़ानों की अनुमति दी और हवाई अड्डे पर मौजूद अपने यात्रियों, चालक दल और कर्मचारी यात्रियों को समायोजित किया। एयरलाइन ने कहा कि हालात में सुधार होने तक तेल अवीव जाने वाली उसकी उड़ानें निलंबित रहेंगी।

डेल्टा एयरलाइंस ने कहा कि तेल अवीव जाने वाली उसकी उड़ानें 31 अक्टूबर तक रद्द कर दी गई हैं।

ओरेवा कंपनी की गंभीर परिचालन और तकनीकी चूक के कारण मोरबी पुल हादसा हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात के मोरबी में पिछले साल पुल ढहने की घटना की तफ्तीश कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने मंगलवार को गुजरात उच्च न्यायालय में प्रस्तुत अपनी रिपोर्ट में कहा कि ओरेवा कंपनी के प्रबंधन की ओर से 'गंभीर परिचालन और तकनीकी खामियों' के कारण हादसा हुआ था। एसआईटी ने कहा कि ओरेवा कंपनी के प्रबंधन के उदासीन रवैये के कारण गंभीर और भयावह मानवीय आपदा हुई और इस रवैये का समर्थन नहीं किया जा सकता। उसने कहा, ''इसके लिए प्रथमदृष्टया कंपनी के प्रबंध निदेशक और दो निदेशक समेत उसका पूरा प्रबंधन जिम्मेदार नजर आता है।''

मोरबी में मच्छू नदी पर अंग्रेजों के समय का पुल पिछले साल 30 अक्टूबर को गिर गया था जिसमें 135 लोगों की मौत हो गयी और 56 लोग घायल हो गये। एसआईटी ने कहा कि मोरबी नगर पालिका ने पुल की मरम्मत का काम ओरेवा कंपनी को दिया था जिसने उसे एक 'अक्षम एजेंसी' को सौंप दिया और बिना तकनीकी विशेषज्ञों के परामर्श के काम किया गया। इसमें पुल के नवीनीकरण के बाद के कार्यों में कई डिजाइन भी दोषपूर्ण पाई गईं, जिसके कारण यह ढहा। एसआईटी ने मुख्य न्यायाधीश सुनीता अग्रवाल और न्यायमूर्ति अनिरुद्ध पी मायी की खंडपीठ के समक्ष अपनी रिपोर्ट में कहा, ''यह त्रासदी सरकारी मानदंडों के अनुसार उचित प्रक्रिया का पालन करने में प्रशासनिक स्तर पर चूक का परिणाम थी, और पुल की मरम्मत करने और इसे जनता के लिए खोलने से पहले इसका परीक्षण करने में तकनीकी अक्षमता के कारण भी यह घटना घटी।'' पीठ इस त्रासदी पर स्वत: संज्ञान लेते हुए एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही है। इसमें कहा गया है, ''अगर कंपनी ने क्षेत्र में एक पेशेवर विशेषज्ञ एजेंसी की मदद ली होती तो पुल के मरम्मत कार्यों को पूरा करने के लिए उठाए गए विभिन्न कदमों की जगह बेहतर कदम उठाये जा सकते थे।'' एसआईटी ने महाधिवक्ता कमल त्रिवेदी द्वारा अदालत में प्रस्तुत रिपोर्ट में कहा कि मरम्मत का काम पूरा करने के बाद और जनता के लिए पुल खोलने से पहले ही ओरेवा कंपनी को फिटनेस रिपोर्ट हासिल करनी चाहिए थी।

रेत खनन मामला : ईडी ने तमिलनाडु के करूर में कई ठिकानों पर की छापेमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को तमिलनाडु के करूर जिले के मल्लमपलयम और नन्नियूर इलाकों में रेत खदानों में छापेमारी की। यह प्रमुख जांच एजेंसी द्वारा नदी की रेत खदानों पर की गई राज्यव्यापी छापेमारी का हिस्सा है। सूत्रों के मुताबिक, ईडी के अधिकारियों ने खदानों के क्षेत्रों और रेत खनन की वास्तविक सीमा को मापा। छापेमारी के दौरान केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) 10 सदस्यीय ईडी अधिकारियों की टीम को को सुरक्षा दे रहा था। ईडी ने 12 सितंबर को सभी रेत स्टॉकयार्डों और डिपो पर छापेमारी की थी और अहम दस्तावेज जब्त किए थे।

एजेंसी के अधिकारियों ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य डेटा भंडारण उपकरण भी जब्त कर लिए। हालांकि, पहले की छापेमारी रेत खनन कंपनियों के कार्यालयों तक ही सीमित थी, लेकिन अब नदी रेत खनन स्थलों और रेत खदानों पर भी कार्रवाई हो रही है। 12 सितंबर की छापेमारी के दौरान, खदान मालिकों से जुड़े लोगों ने खदानों तक जाने वाले कच्चे रास्ते को क्षतिग्रस्त कर दिया था, ताकि ईडी अधिकारियों को मौके पर पहुंचने से रोका जा सके।

मुकेश अंबानी ने फिर हासिल किया सबसे अमीर भारतीय का खिताब, एक्स पर रतन टाटा के हैं सबसे ज्यादा फॉलोअर्स

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन अरबपति मुकेश अंबानी ने '360 वन वेल्थ हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2023' के अनुसार एक साल बाद सबसे अमीर भारतीय के रूप में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। पिछले वर्ष की तुलना में 2 प्रतिशत वृद्धि के साथ 808,800 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ अंबानी शीर्ष पर हैं।

उद्योगपति गौतम अडानी की संपत्ति में 57 फीसदी की गिरावट के बावजूद 474,800 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ सूची में दूसरे स्थान पर हैं। पिछले साल अडानी अंबानी से 3 लाख करोड़ रुपये आगे थे और 2023 में अडानी अंबानी से 3.3 लाख करोड़ रुपये आगे हैं।

शीर्ष दो उद्योगपतियों के बाद वैक्सीन निर्माता साइरस एस. पूनावाला (278,500 करोड़ रुपये), एचसीएल समूह के शिव नादर (228,900 करोड़ रुपये), हिंदुजा समूह के गोपीचंद हिंदुजा (176,500 करोड़ रुपये) और सन फार्मास्यूटिकल्स के दिलीप सांघवी (164,300 करोड़ रुपये) हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 1,000 करोड़ रुपये वाले अमीरों की संख्या 216 बढ़कर 1,319 हो गई।

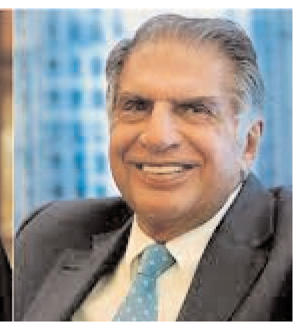

भारत के अमीरों की कुल संपत्ति 109 लाख करोड़ रुपये है, जो सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब के संयुक्त सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) से अधिक है। सबसे कम उम्र के अमीर भारतीय का खिताब जेप्टो के संस्थापक 20 वर्षीय कैवल्य वोहरा को मिला।

दूसरी ओर, प्रिसिजन वायर्स इंडिया के संस्थापक, 94 वर्षीय महेंद्र रतिलाल मेहता ने 2023 में अमीरों की सूची में पहली बार प्रवेश किया।

सूची के अनुसार, 2023 की रैंकिंग में 41 वर्ष की औसत आयु के साथ 423,600 करोड़ रुपये की संपत्ति वाले 84 स्टार्टअप के संस्थापक शामिल हैं।

ज़ोहो की राधा वेम्बू (50) 2023 की सूची में फाल्गुनी नायर को पछाड़कर सबसे अमीर स्व-निर्मित महिला बन गईं। तमिलनाडु का होजरी शहर तिरुपुर 328 व्यक्तियों के साथ सबसे अधिक संख्या में प्रवेश लेकर शीर्ष 20 शहरों में शामिल हुआ।

जहां तक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फॉलोअर्स की संख्या का सवाल है, टाटा ग्रुप के रतन टाटा के फॉलोअर्स सबसे अधिक 1.26 करोड़ है और उनके बाद महिंद्रा एंड महिंद्रा ग्रुप के आनंद महिंद्रा हैं, जिनके 1.08 करोड़ फॉलोअर्स हैं।

जंजीबार में आईआईटी-मद्रास कैम्पस का नवंबर की शुरुआत में होगा उद्घाटन : प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को कहा कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी)-मद्रास के तंजानिया के जंजीबार कैम्पस का नवंबर की शुरुआत में उद्घाटन किया जाएगा। उन्होंने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा तंजानिया की राष्ट्रपति सामिया सुलुहू हसन को मानद उपाधि दिए जाने के एक कार्यक्रम में यह घोषणा की। राष्ट्रपति हसन भारत की चार दिवसीय यात्रा पर आयी हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''मैं खुश हूं कि किसी भी आईआईटी का देश से बाहर पहला कैम्पस जंजीबार में बनाया जा रहा है। मुझे बताया गया कि आईआईटी-मद्रास के जंजीबार कैम्पस का अगले महीने उद्घाटन किया जाना है। यह संस्थान तंजानिया और अन्य अफ्रीकी देशों को विश्व स्तरीय इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी शिक्षा उपलब्ध कराकर दो देशों तथा महाद्वीपों के बीच शैक्षणिक सहयोग में मील का पत्थर साबित होगा, जिससे राष्ट्र निर्माण और और अफ्रीका में आर्थिक वृद्धि, प्रौद्योगिकी, विकास तथा अनुसंधान और नवोन्मेष में मदद मिलेगी।'' भारत और तंजानिया ने जुलाई में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे जो इस कैम्पस की स्थापना के मार्ग में अंतिम प्रक्रियागत कदम था। संस्थान में दो पूर्णकालिक अकादमिक पाठ्यक्रम पढ़ाए जाएंगे जिसमें डेटा विज्ञान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता में चार वर्षीय स्नातक और दो वर्षीय परास्नातक पाठ्यक्रम शामिल हैं।

तमिलनाडु सरकार ने केरल में पीडीएस चावल की तस्करी को रोकने के लिए कार्रवाई तेज की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु नागरिक आपूर्ति विभाग ने राशन चावल की तस्करी को रोकने के लिए केरल के साथ राज्य की सीमा पर जांच तेज कर दी है। नागरिक आपूर्ति विभाग की विशेष सीआईडी विंग केरल में राशन चावल की तस्करी को रोकने के लिए सभी सीमावर्ती क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण मार्गों की भी तलाशी ले रही है। सीआईडी ने तस्करी को रोकने के लिए केरल और तमिलनाडु के बीच 13 सीमा बिंदुओं पर चेक पोस्ट स्थापित किए हैं। इसमें वालयार, वेलन्थावलम, अनाईमलाई, अनाइकट्टी, नादुपुनि, वालपराई, मीनाक्षीपुरम, गोपालपुरम और मुथुकावुंदनूर शामिल हैं।

नागरिक आपूर्ति सीआईडी उन लोगों के आवासों पर भी औचक जांच कर रही है, जिन्हें पहले केरल में राशन चावल की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अधिकारियों के अनुसार, विभाग पहले ही 200 से अधिक लोगों को गिरफ्तार कर चुका है और केरल में राशन चावल की तस्करी पर लगभग 270 मामले दर्ज किए हैं। गिरफ्तार किए गए लोगों में से तीन आदतन अपराधी हैं और अब उन पर गुंडा अधिनियम के तहत आरोप लगाया गया है और उन्हें जेल भेज दिया गया है।

कोयम्बटूर की सीमा से लगे केरल के इलाके, जिनमें वालयार, वेलन्थावलम और मीनाक्षीपुरम शामिल हैं, निगरानी की कमी के कारण चावल की तस्करी के लिए संवेदनशील हैं और विभाग ने अब इस पर रोक लगा दी है और तस्करी को रोकने के लिए गश्त तेज कर दी है। नागरिक आपूर्ति सीआईडी के सूत्रों ने बताया कि पीडीएस चावल की तस्करी में शामिल लगभग 150 वाहनों को जब्त कर लिया गया और लगभग 150 टन चावल बरामद किया गया।

बीपीएल कार्ड धारकों के लिए तमिलनाडु की राशन दुकानों में सस्ते दरों पर चावल की आपूर्ति की जाती है और इस चावल को तस्करों द्वारा खरीदा जाता है और दोपहिया वाहनों में मानव रहित मार्गों के माध्यम से केरल ले जाया जाता है और फिर केरल में उच्च दरों पर बेचा जाता है। तमिलनाडु के नागरिक आपूर्ति विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने पर आईएएनएस से बात करते हुए कहा, इस तस्करी के लिए जमीनी स्तर पर राजनीतिक समर्थन है, जो एक आकर्षक व्यवसाय है। इसे ख़त्म करना एक कठिन काम है और हमें उचित जानकारी प्राप्त करने और फिर इसे रोकने के लिए केरल और तमिलनाडु दोनों सीमाओं पर जमीनी स्तर पर लोगों की भर्ती करनी होगी। तमिलनाडु में सत्ता में रहने वाली पार्टी के अनुसार कार्यप्रणाली बदल जाती है, लेकिन पिछले कई वर्षों से यह निर्बाध रूप से हो रहा है और इसे तोड़ने के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति की आवश्यकता है।

पुडुचेरी की एकमात्र महिला मंत्री ने इस्तीफा दिया, साजिश और लैंगिक भेदभाव को बताया वजह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी। पुडुचेरी की एकमात्र महिला विधायक और मंत्री एस. चंदिरा प्रियंगा ने जातिवाद, लैंगिक पूर्वाग्रह, साजिश और धन बल की राजनीति का आरोप लगाते हुए मंगलवार को एआईएनआरसी-भाजपा गठबंधन सरकार के मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। प्रियंगा नेदुनकाडु से विधायक हैं। वह 2021 में 40 वर्षों से अधिक अंतराल के बाद पुडुचेरी में मंत्री बनने वाली पहली महिला थीं। इसके बाद उन्हें एन. रानागसामी के नेतृत्व वाली गठबंधन कैबिनेट में परिवहन विभाग सौंपा गया था।

प्रियंगा ने 2021 के विधानसभा चुनावों में एआईएनआरसी के टिकट पर कराईकल की नेदुनकाडु सुरक्षित सीट से जीत हासिल की थी। उन्होंने मंगलवार को अपने सचिव के माध्यम से त्यागपत्र मुख्यमंत्री कार्यालय भेज दिया। मुख्यमंत्री कार्यालय के सूत्रों ने पत्र प्राप्त होने की पुष्टि की और कहा कि इसे मामले पर निर्णय लेने के लिए पत्र मुख्यमंत्री को भेज दिया गया है। प्रियंगा के त्यागपत्र की एक प्रति मीडिया में वितरित की गई।

उन्होंने अपने पत्र में कहा कि वह अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के बीच लोकप्रियता के कारण विधानसभा पहुंची थीं, लेकिन उन्हें एहसास हुआ कि साजिश की राजनीति से पार पाना इतना आसान नहीं है और मैं धन बल के खिलाफ नहीं लड़ सकती।

प्रियंगा ने कहा कि उन्हें एहसास हुआ कि वह जातिवाद और लैंगिक पूर्वाग्रह का शिकार हुई हैं। उन्होंने कहा, मुझे भी लगातार निशाना बनाया गया और मेरा मानना है कि मैं साजिश की राजनीति और धन-बल को एक निश्चित सीमा से आगे और बर्दाश्त नहीं कर सकती।

प्रियंगा ने कहा कि वह जल्द ही एक विस्तृत रिपोर्ट पेश करेंगी जिसमें बताया जाएगा कि जिन विभागों को वह मंत्री के रूप में देख रही थी, उनमें उन्होंने क्या बदलाव और सुधार किए हैं।

उन्होंने आवास और श्रम एवं रोजगार विभाग भी संभाले। प्रियंगा ने कहा कि वह अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों की आभारी हैं।

कोयम्बटूर सीरियल ब्लास्ट के आरोपियों की रिहाई को लेकर अन्नामलाई की अपील

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष के. अन्नामलाई ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन से अपील की है कि कोयम्बटूर विस्फोटों में शामिल इस्लामी कट्टरपंथी आतंकवादियों को जेल से रिहान करने के इस गलत कदम को रोकेंगे।

पिछले हफ्ते, सुप्रीम कोर्ट ने मामले में कुछ दोषी अपराधियों द्वारा दायर जमानत याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि कोयंबटूर विस्फोट एक जघन्य कृत्य था। लेकिन, इन सब पर विचार किए बिना ही तमिलनाडु

विधानसभा में कोयंबटूर विस्फोट और अन्य जघन्य अपराधों में शामिल आतंकवादियों की रिहाई और आजीवन कारावास की सजा काटने के मुद्दे पर चर्चा की गई है। ऐसा लगता है कि कुछ लोगों के लिए अल्पसंख्यकों का तुष्टीकरण मतदान करने वाली जनता की सुरक्षा से अधिक महत्वपूर्ण हो गया है।

गौरतलब है कि गत फरवरी 1998 में, शांतिपूर्ण शहर कोयंबटूर में कट्टरपंथी इस्लामवादियों द्वारा लगाए गए बम विस्फोट हुए, जिसमें 58 लोग मारे गए और 200 से अधिक घायल हो गए। जबकि 1998 के बम विस्फोट का दर्द अभी भी ठीक नहीं हुआ है, पिछले अक्टूबर 2022 के आत्मघाती हमले ने कोयंबटूर को हिलाकर रख दिया। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने इस आतंकी वारदात में शामिल 13 आतंकियों को गिरफ्तार किया है।

अरियालुर पटाखा यूनिट विस्फोट में मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हुई

चेन्नई। तमिलनाडु की अरियालुर पटाखा यूनिट में विस्फोट में झुलसे एक और पीड़ित की मौत के साथ मंगलवार को मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो गई। मृतकों में तीन महिलाएं भी शामिल हैं। मंगलवार सुबह 80 फीसदी जली हालत में तंजावुर के सरकारी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराए गए 21 वर्षीय मुरुगानंदम की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, मृतकों की पहचान पी. सीनू (24), डी. पन्नीरसेल्वम (55), एस.रवि (45), आर. शिवकामी (45), के. रासथी (43) और एस. वेन्निला (38), के. अराविलगन (57), यू. शिवकुमार (50) और वी. आनंदराज (54) के रूप में हुई है। एक पुरुष के शव की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।

जिस फैक्ट्री और गोदाम में सोमवार को यह घटना घटी वह वेत्रियुर मदुरा विरागुलर गांव में स्थित है। फैक्ट्री के मालिक राजेंद्र (65) और उनके दामाद अरुण कुमार (39) को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने आईएएनएस को बताया कि दीपावली के मद्देनजर, राजेंद्रन ने 30 और श्रमिकों को नियुक्त किया था जो पटाखों की मांग को पूरा करने के लिए ओवरटाइम काम कर रहे थे, जब यह घटना हुई। विस्फोटक घटकों में एक चिंगारी के कारण बड़ी तबाही हुई और आग ने पटाखा यूनिट और गोदाम परिसर को अपनी चपेट में ले लिया। जबकि अन्य लोग सुरक्षा के लिए भागे, उनमें से ग्यारह की मौत हो गई और 20 से अधिक घायल हो गए। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मृतकों के परिजनों को 3 लाख रुपये और विभिन्न अस्पतालों में इलाज करा रहे लोगों को 1 लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की है।

इजराइली दूत ने हमास के खिलाफ कार्रवाई में भारत और समान विचारधारा वाले देशों के समर्थन की जरूरत बताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण भारत के लिए नियुक्त इजराइल की महावाणिज्य दूत टैमी बेन-हैम ने फलस्तीन के सशस्त्र समूह हमास के खिलाफ कार्रवाई में भारत की मदद मांगते हुए मंगलवार को कहा कि यहूदी देश को दुनिया भर के समान विचारधारा वाले देशों और लोगों के समर्थन की जरूरत है।

बेन-हैम ने पीटीआई-भाषा से एक विशेष साक्षात्कार में कहा, 'इस आतंकी संगठन को नष्ट करने के लिए हम अपनी ओर से सर्वोत्तम कोशिश करने जा रहे हैं और हमें भारत के समर्थन की जरूरत है, हमें अपने दोस्तों के समर्थन की जरूरत है। हमें दुनिया भर के समान विचारधारा वाले देशों और लोगों के समर्थन की जरूरत है जो समझते हैं कि हमें आतंकवाद के खिलाफ मिलकर लड़ने की आवश्यकता है।' उन्होंने कहा, ''अभी यह इजराइल है, लेकिन हम एकमात्र ऐसा देश नहीं है जिसने इस तरह के हमले को झेला है।'' उन्होंने इजराइल का समर्थन करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना की। इस संदर्भ में, उन्होंने मोदी के इजराइली समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू के उनसे बात करने और वर्तमान स्थिति की अद्यतन जानकारी देने का उल्लेख किया। इजराइली दूत ने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी का संदेश बहुत स्पष्ट और कड़ा है, जो कि एक अच्छी चीज है।'' बेन-हैम के अनुसार, इस जघन्य हमले की स्पष्ट रूप से निंदा करना और भारत सरकार की ओर से समर्थन का मजबूत संदेश मिलना इजराइल के लिए जरूरी था, जहां काफी संख्या में लोग हताहत हुए हैं। महावाणिज्य दूत ने यह भी कहा कि इजराइल अब इस आतंकी संगठन से लड़ने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि यह फिर से हमला करने की ताकत नहीं जुटा सके। उन्होंने कहा, ''हम चाहते हैं कि (भारत का) समर्थन जारी रहे। हम चाहते हैं कि यह तालमेल बना रहे। हमास ने इजराइली नागरिकों, इजराइली बच्चों, महिलाओं को निशाना बनाया, लेकिन वे गाजा में भी यही कर रहे हैं।'' इजराइल में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के सिलसिले में, बेन-हैम ने कहा कि एक घायल भारतीय महिला की हालत स्थिर है और उसे इजराइल के दक्षिणी हिस्से से देश के मध्य में ले जाया गया है। उन्होंने बताया कि इजराइली हवाई अड्डा से उड़ानों का परिचालन सामान्य रूप से हो रहा है। महावाणिज्य दूत ने कहा कि इजराइली अधिकारियों ने इजराइल में रह रहे कुछ भारतीय छात्रों और भारत में उनके परिवार के सदस्यों से बात की है।

अकेले दक्षिण कन्नड़ जिले से 5,000 लोग इजराइल में फंसे

दक्षिण कन्नड़। कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष और सांसद नलिन कुमार कटील ने बताया कि अकेले दक्षिण कन्नड़ जिले के लगभग 5,000 लोग युद्ध प्रभावित इजरायल में फंसे हुए हैं। उन सभी को सुरक्षित भारत वापस लाया जाएगा।

पत्रकारों से बात करते हुए कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष और सांसद नलिन कुमार कतील ने कहा कि मुझे दक्षिण कन्नड़ जिले के लगभग 5,000 लोगों के इजराइल में होने की जानकारी है। मैंने विदेश मंत्री एस. जयशंकर को पत्र लिखा है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि किसी को नुकसान न हो और केंद्र सरकार उन्हें भारत वापस लाएगी। मैंने केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री और संसदीय कार्य मंत्री वी. मुरलीधरन से भी बात की है। मैंने दक्षिण कन्नड़ के प्रभारी उपायुक्त को फंसे हुए लोगों का पूरा विवरण प्राप्त करने का भी निर्देश दिया है। कटील ने कहा कि इजराइल में फंसे लोगों के परिजन चिंतित हैं। इजरायल में सुरक्षित होने के बावजूद भी डर का माहौल है। रूस-यूक्रेन संघर्ष के दौरान भी ऐसी ही स्थिति थी। हम यहां उन छात्रों के आवासों पर गए थे जो यूक्रेन में फंस गए थे। तब मोदी सरकार ने भारतीयों को बचाया था। मैं इसको लेकर दूतावास के संपर्क में हूं। डरने की कोई जरूरत नहीं है और लोग किसी भी चिंता के लिए मुझसे संपर्क कर सकते हैं।

ईडी ने द्रमुक सांसद ए. राजा से जुड़ी '15 बेनामी' संपत्तियों को कब्जे में लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को कहा कि उसने पूर्व केंद्रीय दूरसंचार मंत्री और द्रमुक सांसद ए. राजा के खिलाफ धन शोधन जांच के तहत कथित तौर पर उनसे संबंधित लगभग 55 करोड़ रुपये मूल्य की 15 अचल बेनामी संपत्तियों को अपने कब्जे में ले लिया है।

एक बयान में ईडी ने कहा कि उसने ए. राजा के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में पीएमएलए के तहत उनकी बेनामी कंपनी कोवई शेल्टर्स प्रमोटर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर अर्जित 15 अचल संपत्तियों को कब्जे में लिया है। ऐसा माननीय निर्णायक प्राधिकारी द्वारा अनंतिम कुर्की आदेश की पुष्टि के बाद किया गया। कोयंबटूर (तमिलनाडु) में लगभग 45 एकड़ भूमि की संपत्ति, पिछले साल दिसंबर में केंद्रीय एजेंसी द्वारा कुर्क की गई थी और धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के निर्णायक प्राधिकरण ने एक जून को इस आदेश को मंजूरी दे दी थी। बेनामी संपत्तियां ऐसी संपत्तियां हैं, जिनमें वास्तविक लाभार्थी वह नहीं होता है, जिसके नाम पर संपत्ति खरीदी गई है। राजा (59) वर्तमान में नीलगिरी लोकसभा सीट से द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सांसद हैं।

जद (एस) ने कर्नाटक में बिजली संकट पर श्वेत पत्र जारी करने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पूर्व मुख्यमंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने मंगलवार को मांग की कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार राज्य में जारी बिजली संकट पर श्वेत पत्र जारी करे। मुख्य सामग्री जद (एस) नेता कुमारस्वामी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार नवरात्रि उत्सव से पहले राज्य में अंधेरे की गारंटी देने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस की छठी गारंटी योजना होगी।

उन्होंने कहा कि दूरदर्शिता की कमी और प्रबंधन में विफलता आने वाले दिनों में राज्य को अभूतपर्व बिजली संकट की ओर धकेल रही है। सरकार ने पांच आधी-अधूरी गारंटी योजनाएं देकर अपना पल्ला झाड़ लिया। दिसंबर तक निश्चित रूप से राज्य को बड़े बिजली संकट में धकेल दिया जाएगा। कुमारस्वामी ने कहा, जनवरी 2024 तक मुफ्त बिजली योजना गृह ज्योति को खत्म कर दिया जाएगा और राज्य में अंधेरा छा जाएगा। पूरे राज्य में सरकार ने जबरन लोड शेडिंग कर दी है और लोग दो घंटे भी बिजली से वंचित हैं। इसके अलावा सरकार ने कावेरी जल मुद्दे पर भी साफ़ झूठ बोला था। तमिलनाडु सरकार ने विधानसभा में राज्य के खिलाफ फैसला लिया है।

कुमारस्वामी ने कहा, हमारे किसानों को लोड शेडिंग और बिजली की कमी का उपहार और तमिलनाडु को प्रचुर पानी का उपहार मिला है। बिजली की कमी से फसलें मर रही हैं। चैनलों में पानी नहीं है और पानी पंप करने के लिए बिजली भी नहीं है।

संकट से पहले, कर्नाटक राज्य बिजली उत्पादन में कम पड़ रहा है। वह पहले से ही बिजली के लिए दूसरे राज्यों से गुहार लगा रहा है। पनबिजली, पवन और सौर ऊर्जा संचालित बिजली के उत्पादन में कमी देखी गई है।

कुमारस्वामी ने कहा, यह अक्षमता और दूरदर्शिता की कमी है। जलाशयों में पानी का स्तर कम होने के कारण सरकार ने बिजली का उत्पादन कम करने का आदेश दिया है। दूसरी ओर, कोयले की कमी के कारण बिजली संयंत्र भी अधिकतम स्तर पर उत्पादन नहीं कर पा रहे हैं। सरकार पहले से ही जरूरत का 20 फीसदी बिजली बाहर से उधार ले रही है।

उन्होंने बताया कि कांग्रेस राज्य को गहरे बिजली संकट में धकेलने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने आश्चर्य जताया कि संबंधित मंत्री स्थिति के बारे में चुप्पी क्यों साधे हुए हैं। अंधेरे की गारंटी तो लोगों को दी ही जायेगी, लेकिन देखना यह होगा कि नवंबर या दिसंबर में इसे लागू किया जायेगा या नहीं। पहले, राज्य के पास सूखे के दौरान बिजली खरीदने के लिए पर्याप्त वित्तीय भंडार था। लेकिन, अब लगता है खजाना खाली है।

कुमारस्वामी ने हमला बोला, कांग्रेस सरकार लोकसभा चुनाव तक गारंटी योजनाओं के बहाने लोगों को अपने कब्जे में रखना चाहती है और बाद में वह लोगों को अपनी पीठ दिखाएगी।

सरकार ऐसी विकट स्थिति में है कि उसके पास बिजली खरीद का श्रेय लेने की क्षमता नहीं रहेगी। ऐसी जानकारी है कि सेवा प्रदाताओं ने 11 माह से बकाया नहीं दिया है। अगर यही हाल है तो कर्नाटक में कृषि और उद्योग का भविष्य क्या होगा? उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार को मौजूदा स्थिति पर श्वेत पत्र लाना चाहिए।

भाजपा राजस्थान में पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी : दिया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजसमंद सांसद दिया कुमारी ने कहा कि भाजपा राजस्थान में पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी और लोगों को जंगल राज, महिला अत्याचार, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की राजनीति से मुक्ति मिलेगी। उन्होंने पार्टी नेतृत्व को उन पर विश्वास जताने और जयपुर से मौका देने के लिए धन्यवाद दिया। जयपुर उनका गृहनगर भी है। पार्टी की ओर से आज जारी 41 उम्मीदवारों की पहली सूची में पूर्व शाही परिवार के सदस्य को जयपुर की विद्याधर नगर सीट से पार्टी के उम्मीदवार के रूप में नामित किया गया है। सांसद ने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी राजस्थान में पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। राजस्थान के लोगों को कांग्रेस सरकार के जंगल राज, महिला अत्याचार, भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण की राजनीति से मुक्ति मिलेगी। उन्होंने आगामी राजस्थान विधानसभा चुनाव-2023 के लिए विभिन्न सीटों पर घोषित भाजपा उम्मीदवारों को बधाई दी और भारी जीत की कामना की। उन्होंने कहा, 'राजस्थान में भाजपा को निश्चित तौर पर अभूतपूर्व जनाधार मिलेगा और परिवर्तन का कमल खिलेगा।'

भाजपा उम्मीदवार बालकनाथ की तिजारा को गुरुग्राम की तरह विकसित करने की मंशा

बाबा बालक नाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अलवर से सांसद तथा तिजारा विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी बाबा बालक नाथ ने मंगलवार को कहा कि उनकी प्राथमिकता तिजारा को गुरुग्राम की तरह विकसित करना है। सांसद ने राज्य के आगामी विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी की प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनने का दावा करते हुए कहा कि मोदी सरकार के काम चुनाव में महत्वपूर्ण कारक होंगे। भारत निर्वाचन आयोग ने सोमवार को नई दिल्ली में 2023 के विधानसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा की जिसके अनुसार राजस्थान की सभी 200 विधानसभा सीटों के लिए 23 नवंबर को मतदान होगा जबकि मतों की गिनती तीन दिसंबर को होगी।

सांसद ने कहा, मेरी प्राथमिकता तिजारा को गुरुग्राम की तर्ज पर विकसित करने की रहेगी। यह एक औद्योगिक क्षेत्र है लेकिन कांग्रेस सरकार की नीतियों के कारण यहां विकास नहीं हो पाया। उन्होंने दावा किया कि अलवर जिले में आने वाले तिजारा से कनेक्टिविटी उनके द्वारा शुरू की गई एक परियोजना के तहत बढ़ाई गई थी। भाजपा प्रत्याशी ने कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाया कि वह केवल राज्य को लूटने का काम कर रही है।

बालकनाथ ने कहा, कांग्रेस सरकार की तुष्टीकरण की नीति के कारण क्षेत्र में कानून व्यवस्था चिंताजनक है। अपराधी बेखौफ घूम रहे हैं और लोग परेशान हैं। बैंक लूट, हत्या, महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसी घटनाएं बहुत आम हैं। कांग्रेस शासन में दलितों पर भी अत्याचार हुए। ये चुनावी मुद्दे होंगे। जब उनसे पूछा गया कि वह राज्य में किस भूमिका की उम्मीद कर रहे हैं, तो उन्होंने कहा, मैं जनसेवक हूं और पार्टी मुझे जो भी जिम्मेदारी देगी, मैं उसे अच्छी तरह निभाऊंगा।

रोहतक स्थित बाबा मस्तनाथ मठ के प्रमुख बालकनाथ हिंदुत्व के पक्ष में मुखरता से बोलते हैं और अल्पसंख्यक तुष्टिकरण के मुद्दे पर कांग्रेस की आलोचना करते हैं। उनके गुरु चांदनाथ भी अलवर से सांसद थे। उनका सितंबर 2017 में निधन हो गया। तिजारा विधानसभा क्षेत्र से इस समय संदीप कुमार विधायक हैं। उन्होंने 2018 का विधानसभा चुनाव बहुजन समाज पार्टी के टिकट पर जीता था। बाद में वह बसपा के अन्य सभी जीते हुए प्रत्याशियों के साथ कांग्रेस में शामिल हो गए। 2018 के विधानसभा चुनाव में तिजारा सीट पर भाजपा प्रत्याशी संदीप दायमा तीसरे स्थान पर थे।

भारतीय जनता पार्टी ने राजस्थान में विधानसभा चुनाव के लिए अपने 41 प्रत्याशियों की पहली सूची सोमवार को जारी की जिसमें राज्यवर्धन राठौड़ एवं बालकनाथ समेत सात मौजूदा सांसदों के नाम शामिल हैं। पार्टी की पहली सूची में शामिल सात सांसदों में से छह लोकसभा के जबकि एक राज्यसभा के सदस्य हैं । पार्टी ने पिछले चुनाव में हारे 12 उम्मीदवारों को भी दोबारा मौका दिया है।

कांग्रेस की पहली सूची 18 तक आने की संभावना, गहलोत ने दिए संकेत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में 23 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने सोमवार को 41 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की। दूसरी तरफ मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को संकेत दिया कि टिकट वितरण को 18 अक्टूबर के आसपास अंतिम रूप दिए जाने की संभावना है। दिल्ली में सोनिया गांधी से मुलाकात के बाद अशोक गहलोत ने पत्रकारों से कहा कि प्रक्रिया अभी शुरू हुई है। आशा करते हैं कि यह 18 अक्टूबर के आसपास समाप्त हो जाएगी।

चुनावी फंडिंग और केंद्रीय एजेंसियों के 'दुरुपयोग' को लेकर भी गहलोत ने केंद्र सरकार और बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, इस बार हम जनता से अपील करेंगे कि हमें मौका दें। भाजपा के पास संसाधनों की कोई कमी नहीं है। चुनावी बांड जारी किए गए हैं। बांड एक प्रकार का भ्रष्टाचार है, यह कानूनी भ्रष्टाचार की तरह है।

उन्होंने आगे कहा, बीजेपी को बॉन्ड का 95 फीसदी पैसा मिलता है। लेकिन, अगर कोई उद्योगपति हमसे मिलने भी आता है, तो आयकर विभाग शाम को उसके घर/कार्यालय पहुंच जाता है। लोग डरे हुए हैं, आप सोच सकते हैं कि हम किस माहौल में काम कर रहे हैं।

राजस्थान में एक नया विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में इस सप्ताह के आखिर तक एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है जिससे कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हो सकती है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, राज्य के पश्चिमी भागों में 15 अक्टूबर को एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है।

पश्चिमी राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों तथा बीकानेर, गंगानगर, हनुमानगढ़ के कुछ भागों में दोपहर बाद कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है।

इस विक्षोभ का सर्वाधिक असर 16-17 अक्टूबर को रह सकता है। विक्षोभ के चलते जोधपुर, बीकानेर, अजमेर व जयपुर संभाग के कुछ भागों में बादलों की गरज के साथ कहीं-कहीं हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना है। इसी तरह 18 अक्टूबर को भी राज्य के उत्तरी व पूर्वी भागों में कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है। इस बीच राज्य के ज्यादातर हिस्सों में दिन में अच्छी खासी गर्मी पड़ रही है। बीते चौबीस घंटे में अधिकतम तापमान फलौदी में 38.2 डिग्री, गंगानगर में 38.0 डिग्री, बीकानेर में 37.5 डिग्री, संगरिया में 37.4 और चूरू में 37.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

आचार संहिता के उल्लंघन की सूचना पर 100 मिनट में कार्रवाई होगी : गुप्ता

जयपुर। राजस्थान के मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने कहा है कि विधानसभा चुनाव में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन पर प्रभावी कार्रवाई के लिए आमजन 'सी-विजिल'(नागरिक सतर्कता) ऐप का इस्तेमाल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस ऐप पर आचार संहिता से जुड़ी किसी भी शिकायत का समाधान महज 100 मिनट में हो जाता है। अधिकारी ने बताया कि अभी तक आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायतों पर पर्याप्त सबूतों के अभाव में कड़ी कार्रवाई नहीं हो पाती थी, अब इस ऐप के जरिए प्राप्त शिकायतों पर तय समय सीमा में कार्रवाई संभव होगी।

उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति एंड्रॉयड आधारित 'सी-विजिल' ऐप को मोबाइल फोन में डाउनलोड कर सकता है। उन्होंने बताया कि इस एप्लीकेशन का उपयोग केवल उन्हीं राज्यों में किया जा सकेगा जहां चुनाव प्रकिया चल रही है।

पार्टी के भरोसे पर खरा उतरने का प्रयास करूंगा : खीचड़

सांसद नरेन्द्र कुमार 5वीं बार मंडावा क्षेत्र से विधायक का चुनाव लड़ेंगे। पूर्व में वह तीन बार निर्दलीय चुनाव लड़ चुके हैं जिसमें से एक बार जीते थे।

नरेन्द्र कुमार खीचड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झुंझुनू। राजस्थान में झुंझुनू जिले की मंडावा सीट से भारतीय जनता पार्टी भाजपा टिकट मिलने पर सांसद नरेन्द्र कुमार खीचड़ ने कहा ..भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने मुझ पर जो विश्वास जताया है उस पर खरा उतरूंगा। खीचड ने कहा मंडावा सीट ऐसी जहां सांसद ही पार्टी को जीत दिला सकता है। यहां कोई गुटबाजी नहीं है। भाजपा का कोई पदाधिकारी और कार्यकर्ता गुटबाजी में शामिल नहीं है। उन्होंने पहले विधायक फिर सांसद रहते क्षेत्र में विकास किया जिस कारण मंडावा क्षेत्र की जनता उसके साथ है।

सांसद नरेन्द्र कुमार 5वीं बार मंडावा क्षेत्र से विधायक का चुनाव लड़ेंगे। पूर्व में वह तीन बार निर्दलीय चुनाव लड़ चुके हैं जिसमें से एक बार जीते थे। 2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के टिकट पर नरेन्द्र कुमार ने कांग्रेस की रीटा चौधरी को 2346 मतों से हराया था। 2018 के विधानसभा चुनाव में नरेन्द्र कुमार को 80599 मत मिले थे। इसके बाद नरेन्द्र कुमार को 2019 में लोकसभा का चुनाव लड़ कर सांसद बन गये थे।

नरेन्द्र कुमार के सांसद बनने से रिक्त हुयी मंडावा सीट के उप चुनाव में कांग्रेस की रीटा चौधरी ने भाजपा की सुशीला सीगड़ा को 33492 मतों से हरा दिया। उपचुनाव में रीटा चौधरी को 94,196 और सुशीला सीगड़ा को 60,492 वोट मिले। भाजपा के लिए मंडावा सीट महत्पूर्ण है। इसलिए एक बार फिर सांसद को विधानसभा सीट पर उम्मीदवार बनाया है।

इस क्षेत्र से कांग्रेस के तीन प्रदेशाध्यक्ष रह चुके है। 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और भाजपा ने पिछले चुनाव के दो सबसे मजबूत दावेदारों को टिकट दिया था। जहां भाजपा की ओर से नरेंद्र कुमार चुनावी मैदान में उतरे तो वहीं कांग्रेस में रीटा चौधरी की वापसी हुई। इस चुनाव में मंडावा की जनता ने नरेंद्र कुमार को 80,599 मत दिए, रीटा चौधरी 78,523 मत मिले। भाजपा की जीत हुई और मंडावा के चुनावी इतिहास में पहली बार भाजपा का खाता खुला था।

विधानसभा चुनाव

कई भाजपा नेताओं ने टिकट नहीं मिलने पर बगावती तेवर दिखाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा आगामी राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए 41 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी करते ही कई जगह पार्टी के नेताओं और उनके समर्थकों ने बगावती तेवर दिखाए हैं। पार्टी से टिकट की उम्मीद कर रहे कई संभावित उम्मीदवारों के समर्थकों ने कल की सूची के बाद खुलकर अपनी नाराजगी व्यक्त की है। राज्य में 23 नवंबर को मतदान होना है। इसके लिए भाजपा ने 41 सीट के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली सूची सोमवार को जारी की। पार्टी ने झोटवाड़ा विधानसभा सीट से सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ को उम्मीदवार बनाया है। इससे इस सीट से पार्टी की ओर से चुनाव लड़ते रहे पूर्व विधायक राजपाल सिंह शेखावत के समर्थक विरोध पर उतर आए हैं। शेखावत के समर्थकों ने झोटवाड़ा सीट बचाने के लिए 'पैराशूट' उम्मीदवार हटाओ के नारे लगाए। उनके समर्थकों के विरोध प्रदर्शन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पूर्व मंत्री शेखावत को पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का करीबी माना जाता है और टिकट नहीं मिलने के बाद उन्होंने सोमवार देर रात राजे से मुलाकात भी की थी।

शेखावत ने संवाददाताओं से कहा कि पार्टी के 41 उम्मीदवारों की सूची में से 10 बागी हैं। भाजपा ने कोटपूतली सीट पर हंसराज पटेल को टिकट दिया है। 2018 के विधानसभा चुनाव में हार का सामना करने वाले मुकेश गोयल के समर्थकों ने पटेल की उम्मीदवारी के खिलाफ विरोध प्रकट करने के लिए पार्टी के झंडे जलाए। गोयल ने संवाददाताओं से कहा, कोटपूतली में भाजपा को करारी हार का सामना करना पड़ेगा और वह राजस्थान में 40-50 सीट पर सिमट जाएगी। इसी तरह पूर्व मंत्री रोहिताश शर्मा ने भी भाजपा की टिकट घोषणा के खिलाफ बगावत कर दी है। उन्हें बानसूर विधानसभा क्षेत्र से टिकट मिलने की उम्मीद की थी, लेकिन भाजपा ने यहां से देवी सिंह शेखावत को टिकट दिया है।

शर्मा ने कहा,लोगों को टिकट वितरण प्रणाली से विचलित होने की जरूरत नहीं है। पहले भी लोगों को जाति और धनबल के आधार पर टिकट मिला, लेकिन वे हारे। पिछले विधानसभा चुनाव में किशनगढ़ से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ने वाले विकास चौधरी का नाम भी इस सूची में नहीं है।

भाजपा ने यहां से अजमेर के सांसद भागीरथ चौधरी को मैदान में उतारा है। पार्टी की सूची जारी होने के बाद चौधरी ने 'एक्स' पर लिखा,मैंने ईमानदारी से मेहनत की थी। चौधरी ने मंगलवार को किशनगढ़ में अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि जनता-जनार्दन का आदेश सर्वमान्य है, वे उसी के अनुसार चलेंगे। भरतपुर के नगर विधानसभा क्षेत्र से दो बार विधायक रहीं अनिता सिंह ने संकेत दिया कि पार्टी का टिकट नहीं मिलने के बावजूद वह चुनाव लड़ेंगी। सिंह ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, क्या मान कर मुझे भाजपा ने अपने से दूर किया है। भाजपा ने विद्याधर नगर से मौजूदा विधायक नरपत सिंह राजवी को भी उम्मीदवारों की पहली सूची में जगह नहीं दी है। पार्टी ने इस सीट पर राजसमंद से सांसद दिया कुमारी को उतारा है। राजवी ने अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। पांच बार के विधायक राजवी पूर्व उपराष्ट्रपति भैरों सिंह शेखावत के दामाद हैं। उल्लेखनीय है कि भाजपा ने राजस्थान में विधानसभा चुनाव के लिए अपने 41 प्रत्याशियों की पहली सूची सोमवार को जारी की जिसमें राज्यवर्धन राठौड़ व बालकनाथ सहित सात मौजूदा सांसद के नाम भी शामिल हैं।

स्वागत

सांचोर में मंगलवार को भाजपा उम्मीदवार देवजी पटेल का सांचोर विधानसभा क्षेत्र की जनता उनका भव्य स्वागत किया।

राजस्थान विधानसभा चुनाव

विधानसभा चुनाव में ये रहेंगे प्रमुख मुद्दे

'सत्ता विरोधी' लहर से लेकर कानून व्यवस्था सहित आगामी विधानसभा चुनाव में 'प्रमुख कारक' बन सकते हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सरकार के खिलाफ 'सत्ता विरोधी' लहर से लेकर कानून व्यवस्था सहित अनेक मुद्दे हैं जो राजस्थान में आगामी विधानसभा चुनाव में 'प्रमुख कारक' बन सकते हैं। राज्य की अशोक गहलोत सरकार ने राज्य में फिर बाजी मारने के लिए पिछले कुछ महीने से कड़ी मेहनत की है और कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) बहाल करने सहित आम लोगों के लिए अनेक योजनाओं की घोषणा की है। सरकार ने चुनाव आचार संहिता लगने से ठीक पहले 'जातिगत सर्वेक्षण' कराने का दांव भी चला। राज्य में एक ही चरण में 23 नवंबर को मतदान होगा जबकि वोटों की गिनती तीन दिसंबर को होगी। राज्य के विधानसभा चुनाव में यह प्रमुख मुद्दे हो सकते हैं: सत्ता विरोधी लहर: राज्य में 1993 में भाजपा के सत्ता में आने के बाद का इतिहास कहता है कि उसके बाद हर विधानसभा चुनाव में एक बार कांग्रेस तो एक बार भाजपा को सत्ता की बागडोर मिलती रही है। यानी कोई भी पार्टी लगातार दो बार सरकार नहीं बना पाई। इस 'परिपाटी' के लिहाज से इस बार सत्ता में आने की 'बारी' भाजपा की है।

गुटबाजी

चुनावों से पहले, कांग्रेस नेता अशोक गहलोत और सचिन पायलट ने अपने मतभेदों को कम से कम फौरी तौर भले ही दरकिनान कर दिया हो लेकिन राज्य में 'मुख्यमंत्री पद' के लिए उनका संघर्ष वर्षों से राजस्थान में पार्टी को कमजोर कर रहा है। अगर भाजपा पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और उनके प्रति वफादार नेताओं को नजरअंदाज करेगी तो उसे भी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। ओपीएस, सामाजिक कल्याण योजनाएं: कांग्रेस का चुनाव अभियान राज्य में अपनी सरकार द्वारा पुरानी पेंशन योजना को फिर से शुरू करने पर जोर देगा।

ओपीएस बहाली का फायदा राज्य के लगभग सात लाख सरकारी कर्मचारियों और उनके परिवारों को प्रभावित करेगा। इसके अलावा गहलोत की कुछ चर्चित कल्याणकारी योजनाओं में चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत 25 लाख रुपये का बीमा, शहरी रोजगार गारंटी योजना, सामाजिक सुरक्षा के रूप में 1,000 रुपये की पेंशन और उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के लिए केवल 500 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर शामिल हैं।

कानून और व्यवस्था

कानून व्यवस्था को लेकर मुख्य विपक्षी दल भाजपा हाल ही में राज्य सरकार पर काफी आक्रामक रही है। भाजपा विशेष रूप से महिलाओं के खिलाफ अपराधों को मुद्दा बना रही है। लेकिन कांग्रेस सरकार का कहना है कि जब भी ऐसी कोई घटना हुई उसने त्वरित कार्रवाई की।

पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना

कांग्रेस ने बार-बार पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना को 'राष्ट्रीय परियोजना' का दर्जा देने की मांग की है। इस योजना का उद्देश्य 13 जिलों की सिंचाई और पीने के पानी की जरूरतों को पूरा करना है। कांग्रेस का कहना है कि भाजपा पिछले चुनावों से पहले ईआरसीपी पर दिए गए आश्वासन से पीछे हट गई है। और वह इसी क्षेत्र से अपना चुनावी अभियान शुरू करने की योजना बना रही है।

सांप्रदायिक तनाव

भाजपा ने हिंदुत्व कार्ड खेलते हुए करौली, जोधपुर और भीलवाड़ा में सांप्रदायिक दंगों का मुद्दा उठाया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में उदयपुर में दर्जी कन्हैया लाल की हत्या मुद्दा उठाते हुए कहा कि सत्तारूढ़ कांग्रेस अपने 'वोट बैंक' को लेकर चिंतित रही है।

पेपर लीक

हाल के महीनों में शिक्षकों के लिए 'रीट' जैसी सरकारी भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक हो गए हैं। यह लाखों बेरोजगार युवाओं को प्रभावित करने वाला मुद्दा है। भाजपा के अलावा कांग्रेस के असंतुष्ट नेता सचिन पायलट ने भी इसे लेकर गहलोत सरकार पर निशाना साधा।

कृषि ऋण माफी

भाजपा ने कांग्रेस पर ऋण माफी का चुनावी वादा पूरा नहीं करने का आरोप लगाया जा रहा है। सरकार का दावा है कि उसने सहकारी बैंकों से लिए गए ऋण माफ कर दिए हैं, और अब यह केंद्र की जिम्मेदारी है कि वह वाणिज्यिक बैंकों से किसानों का बकाया माफ कराए।

शिक्षकों के तबादले

तृतीय श्रेणी के लगभग एक लाख शिक्षक अपनी पसंद के जिलों में तबादले की मांग कर रहे हैं। राज्य की कांग्रेस सरकार कहती रही कि वह इस पर एक नीति लाएगी। लेकिन ऐसा हुआ नहीं।

उप्र में छह वर्ष में छह लाख से अधिक युवाओं को दी सरकारी नौकरी: योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार विगत छह वर्ष में छह लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी देने में सफल रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने लोकभवन में आयोजित एक समारोह में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा चयनित 393 होम्योपैथिक फार्मासिस्टों को नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद अपने संबोधन में यह बात कही। उन्होंने कहा कि पहले उत्तर प्रदेश में लोक सेवा आयोग के परिणाम आने में डेढ़ से दो साल लग जाते थे, लेकिन अब अधीनस्थ सेवा चयन आयोग निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से छह महीने से नौ महीने के अंदर परिणाम दे रहा है। अपनी सरकार के छह वर्ष के कार्यकाल में छह लाख से अधिक युवाओं को नौकरी देने का दावा करते हुए उन्होंने कहा, 'ये युवा पूरी निष्ठा और ऊर्जा के साथ मिलकर कार्य करेंगे तो उत्तर प्रदेश को कोई 'बीमारू' नहीं रख सकता है।'

मुख्यमंत्री ने कहा, 'हम सब मिलकर उत्तर प्रदेश को एक समर्थ और समृद्ध राज्य बनाएंगे।' उन्होंने कहा कि 'फरवरी 2023 में उत्तर प्रदेश में वैश्विक निवेशक सम्मेलन आयोजित हुआ। इससे प्रदेश को 38 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। इससे एक करोड़

से अधिक युवाओं को नौकरी मिलेगी।' योगी ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि 'विगत साढ़े नौ वर्ष से प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की शानदार तरीके से आगे बढ़ रहा है। इसी का नतीजा है कि पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र में भारत ने एक लंबी छलांग लगाई है।' उन्होंने कहा कि 'आयुर्वेद हमेशा से हमारे जीवन का हिस्सा रहा है। योग प्राचीन काल से भारत की परंपरा के साथ जुड़ा रहा है। होम्योपैथ का उपयोग गांवों में लोग किसी न किसी रूप में करते रहे हैं, लेकिन पहली बार आयुर्वेद, योग, प्रकृतिक चिकित्सा, सिद्धा और होम्योपैथ को मिलाकर जब आयुष मंत्रालय का गठन हुआ तो इससे भारत की पारंपरिक चिकित्सा को एक नई पहचान मिली। योगी ने कहा, 'कोविड-19 महामारी के दौरान आयुष काढ़ा लोगों का सहारा बना। वर्ष 2014 के बाद जिस तरह से इस दिशा में कार्य शुरू हुआ, आज उसी का परिणाम है कि देश की आबादी का सबसे बड़ा राज्य मजबूती के साथ आगे बढ़ रहा है।' उन्होंने कहा कि 'आयुष की अलग-अलग विधाओं में डिग्री और डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रारंभ हो सके, इसके लिए प्रदेश में आयुष विश्वविद्यालय की स्थापना की जा रही है।' योगी ने कहा कि 'पहले आयुर्वेद के लिए चयनित फार्मासिस्ट को सरकारी नौकरी नहीं दी जाती थी, लेकिन आज सरकारी व्यवस्था का हिस्सा बन गया है।' उन्होंने कहा कि 'हमारी सरकार आयुष की सभी विधाओं को प्रोत्साहित कर रही है। हम पांच हजार की आबादी पर योग और आरोग्य केंद्र स्थापित करने के लिए कार्यवाही युद्ध स्तर पर कर रहे हैं।' उन्होंने चयनित फार्मासिस्टों को सलाह देते हुए कहा, मरीज के प्रति आपका व्यवहार उसकी कई समस्याओं का समाधान कर सकता है। आपके परोपकारी व्यवहार से मरीज की आधी बीमारी ठीक हो जाती है। मुख्यमंत्री ने कहा, 'भारत के अंदर स्वास्थ्य पर्यटन की सबसे ज्यादा संभावना आयुष में है। आज दुनिया इस तरफ देख रही है। इस वजह से हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम स्वास्थ्य पर्यटन के तहत आने वाले लोगों को वैश्विक स्तर का परिवेश उपलब्ध कराएं।'

उत्तरी सिक्किम में फंसे हुए पर्यटकों को हेलीकॉप्टरों से सुरक्षित निकाला गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गंगटोक/भाषा। उत्तर सिक्किम के लाचेन और लाचुंग में फंसे हुए पर्यटकों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए सशस्त्र बलों द्वारा चलाया जा रहा बचाव अभियान मंगलवार को आसमान साफ होने के साथ दूसरे दिन फिर से शुरू कर दिया गया। लाचेन और लाचुंग में फंसे करीब 95 लोगों को हेलीकॉप्टरों की मदद से निकाला गया। लाचुंग से सुरक्षित निकाले गए पहले समूह में 17 पर्यटक और लाचुंग गांव के दो स्थानीय निवासी शामिल हैं। हेलीकॉप्टरों ने सुबह इलाके में दो चक्कर लगाए। लाचुंग से निकाले गए लोगों को गंगटोक के समीप पाक्योंग हवाई अड्डे पर लाया जा रहा है।

लाचेन से सुरक्षित बाहर निकाले गए 76 लोगों के पहले समूह में दो बच्चे भी शामिल हैं। लाचेन में फंसे हुए इन लोगों को तीन फेरों में सुरक्षित बाहर निकाला गया और उन्हें मंगम के रिंघिम हेलीपैड लाया गया है। मंगन के जिलाधिकारी हेम कुमार छेत्री ने कहा कि भारतीय वायु सेना के तीन हेलीकॉप्टर लोगों को बाहर निकालने के काम में जुटे हैं, जिसमें से दो लाचेन के लिए और एक लाचुंग से लोगों को बाहर निकालने का काम कर रहे हैं। जिला प्रशासन की शीर्ष प्राथमिकता फंसे हुए पर्यटकों और बीमार लोगों को बाहर निकालना है। अधिकारियों ने कहा कि ज्यादा प्रभावित मंगन जिले के लाचुंग और लाचेन में फंसे हुए पर्यटकों को हवाई मार्ग से बाहर निकालने के लिए हेलीकॉप्टर और चक्कर लगाएंगे। राज्य सरकार ने सिलिगुड़ी और गंगटोक की यात्रा करने वाले पर्यटकों की मदद के लिए सिक्किम परिवहन की बसों का प्रबंध किया है। ल्होनक झील पर बादल फटने के कारण तीस्ता नदी में आई बाढ़ के बाद उत्तरी सिक्किम शहर में देश के अलग-अलग हिस्सों के करीब 3 हजार पर्यटक फंस गए थे।

फलस्तीन पर वाजपेयी के भाषण को भूल गई भाजपा : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने अपनी कार्य समिति में इजराइल-फलस्तीन मुद्दे पर पारित प्रस्ताव को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के हमले के बाद पलटवार करते हुए मंगलवार को कहा कि भाजपा पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के उस भाषण को भूल गई, जिसमें उन्होंने फलस्तीनी लोगों के अधिकारों की पैरवी की थी। पार्टी सांसद गौरव गोगोई ने आरोप लगाया कि भाजपा अपनी आंतरिक कलह और विफलताओं से ध्यान भटकाने के लिए फलस्तीन के विषय को लेकर उस पर हमले कर रही है। भारत के मुख्य विपक्षी दल की कार्य समिति ने बैठक में पारित प्रस्ताव में पश्चिम एशिया में तत्काल संघर्षविराम का आह्वान किया था और कहा था कि वह फलस्तीनी लोगों के जमीन, स्वशासन और आत्म-सम्मान के साथ जीने के अधिकारों के लिए अपने दीर्घकालिक समर्थन को दोहराती है।

जोरमथांगा ने मिजोरम में सरकार बने रहने की उम्मीद जताई

आइजोल/भाषा। मिजोरम के मुख्यमंत्री और सत्तारूढ़ मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) के अध्यक्ष जोरमथांगा ने मंगलवार को विश्वास जताया कि उनकी पार्टी, जिसे 'शहीदों के रक्त ने सींचा है', वह आगामी विधानसभा चुनाव के बाद सत्ता में कायम रहेगी। दिग्गज नेता 20 साल के उस विद्रोह काल का जिक्र कर रहे थे जब एमएनएफ एक सशस्त्र संगठन था। यह अंततः 1986 में मिजो शांति समझौते पर हस्ताक्षर करने और एक राजनीतिक पार्टी बनने के साथ मुख्यधारा में लौटा। 40 सदस्यीय मिजोरम विधानसभा के लिए चुनाव 7 नवंबर को एक ही चरण में होंगे और वोटों की गिनती 3 दिसंबर को होगी। जोरमथांगा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर कहा, ''एमएनएफ अगले कार्यकाल में शासन करने और लोगों की सेवा करने की तैयारी कर रही है।'' उन्होंने कहा, ''हमें विश्वास है कि हम ईश्वर के आशीर्वाद से सत्ता में बने रहेंगे।'' एमएनएफ अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी मिजो समुदाय के लोगों की है और यह 'शहीदों के खून से सींची गई है।'

जाति आधारित जनगणना देश का 'एक्स रे', हम इसे कराने के लिए केंद्र को मजबूर करेंगे : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ब्यौहारी (मध्य प्रदेश)/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को जाति आधारित जनगणना को देश का 'एक्स-रे' करार देते हुए कहा कि यह अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), दलितों और आदिवासियों की दशा को उजागर करेगा जो कि 'घायल' हैं।

उन्होंने कहा कि 'चाहे कुछ भी हो' उनकी पार्टी केंद्र को इस कवायद को संपन्न कराने के लिए मजबूर करेगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर जाति आधारित जनगणना के मुद्दे पर नहीं बोलने का भी आरोप लगाया। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा के एक दिन बाद प्रदेश के शहडोल जिले के ब्यौहारी में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए, गांधी ने कहा कि भाजपा शासित मध्य प्रदेश भाजपा और आरएसएस की प्रयोगशाला है। उन्होंने कहा, '' जाति अधारित जनगणना देश का 'एक्स-रे' है। देश के आदिवासी, दलित, ओबीसी घायल हैं। आइए जांच करें... इससे तस्वीर साफ हो जाएगी।'' गांधी ने कहा, '' देश में ओबीसी, दलित और आदिवासियों की स्थिति का सच जानने के लिए हम केंद्र सरकार को जाति आधारित जनगणना कराने के लिए मजबूर करेंगे। राजस्थान, कर्नाटक और छत्तीसगढ़ में हमारी सरकारों ने इसके लिए प्रक्रिया शुरू का दी है। कांग्रेस जाति आधारित जनगणना की बात इसलिए कर रही है क्योंकि अजा, ओबीसी और आदिवासियों को उनका उचित अधिकार मिलना चाहिए।

काम और कांग्रेस पार्टी में इतना व्यस्त रहा कि शादी के बारे में सोच ही नहीं सका: राहुल

नई दिल्ली/भाषा। विवाह के सवाल का अक्सर सामना करने वाले कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि वह अपने काम और कांग्रेस पार्टी के भीतर इतना व्यस्त हो गए कि शादी के बारे में सोच ही नहीं सके। उन्होंने जयपुर के महारानी कॉलेज की छात्राओं के एक समूह के साथ संवाद के दौरान एक सवाल के जवाब में यह टिप्पणी की। राहुल गांधी पिछले दिनों जयपुर के इस कॉलेज में पहुंचे थे और वहां छात्राओं के साथ संवाद किया था। उन्होंने एक छात्रा के साथ स्कूटी की सवारी भी की थी। कांग्रेस नेता ने इसका वीडियो यूट्यूब चैनल पर साझा किया। संवाद के दौरान छात्रा ने सवाल किया, ''सर, आप इतने स्मार्ट हैं, इतने अच्छे दिखते हैं, फिर अब तक शादी के बारे में क्यों नहीं सोचा?'' इसके जवाब में कांग्रेस नेता ने कहा, ''क्योंकि मैं अपने काम में, कांग्रेस पार्टी में बिल्कुल उलझ गया हूं।'' छात्राओं ने जाति जनगणना को लेकर भी कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष से सवाल किया। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि वह पूरी तरह जाति जनगणना के पक्ष में हैं क्योंकि यह जाति जनगणना एक 'एक्स-रे' की तरह है जिससे ओबीसी, दलितों और आदिवासी समुदायों की वास्तविक स्थिति के बारे में पता चल सकेगा। उनका कहना था, ''सच यह है कि ओबीसी, दलित, आदिवासी सत्ता के ढांचे में शामिल नहीं हैं। किसी को नहीं पता कि ओबीसी, दलित, आदिवासी और सामान्य वर्ग के लोग कितने हैं। आपको चोट लगती है तो सबसे पहले आप एक्स-रे कराते हैं...जाति जनगणना भी एक्स-रे है।''

उच्चतम न्यायालय को निष्क्रिय बनाने के लिए हर चीज पर विचार नहीं किया जा सकता : प्रधान न्यायाधीश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने मंगलवार को कहा कि देश में ध्यान देने योग्य एक हजार मुद्दे हो सकते हैं, लेकिन उच्चतम न्यायालय को निष्क्रिय बनाने के लिए हर चीज पर विचार नहीं किया जा सकता है।

उन्होंने केरल में बांधकर रखे गये हाथियों की मौत से जुड़ी एक अंतरिम याचिका पर सुनवाई करने से इनकार करते हुए यह टिप्पणी की। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा, ये स्थानीय मुद्दे हैं, जिन्हें उच्च न्यायालयों द्वारा निपटाया जा सकता है। यदि वे कोई गंभीर त्रुटि करते हैं, तो हम यहां उन त्रुटियों को सुधारने के लिए हैं। लेकिन आप जानते हैं... हम देश कैसे चला सकते हैं। पीठ ने कहा, देश में सर्वोच्च न्यायालय की क्या भूमिका है... आप जानते हैं हम देशभर में उठने वाले सूक्ष्म मुद्दों को निपटाने के लिए नहीं हैं। यदि उच्च न्यायालय कोई गंभीर गलती करता है, तो हम हैं और उस गलती को सुधारेंगे।

एक हस्तक्षेपकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील सीयू सिंह ने शुरुआत में केरल में बांधकर रखे गये हाथियों की मौत और नियमों के उल्लंघन का मुद्दा उठाया और मामले पर तत्काल सुनवाई का आग्रह किया। सिंह ने कहा, केरल में फरवरी 2019 से नवंबर 2022 के बीच उपेक्षा और अत्यधिक काम लिए जाने के कारण 135 से अधिक बांध कर रखे गये हाथियों की मौत हो गई। पीठ ने सिंह से उच्च न्यायालय का रुख करने को कहा।

सुंदरबन में डूबने से होने वाली बच्चों की मृत्यु दर दुनियाभर में सबसे अधिक: रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के सुंदरबन क्षेत्र में एक से चार वर्ष की आयु के बच्चों की डूबने से होने वाली मौत की दर दुनिया भर में सबसे अधिक, 243 प्रति लाख आबादी दर्ज की गई है। एक अध्ययन में यह बात सामने आई है। यह आंकड़ा 2016 से 2019 के बीच है। अध्ययन में यह भी पाया गया कि इस क्षेत्र में पांच से नौ वर्ष की आयु के बच्चों में मृत्यु दर 38.8 प्रति लाख आबादी है।

अक्टूबर 2016 से सितंबर 2019 तक सामने आई घटनाओं पर क्षेत्र के 19 प्रखंडों में यह अध्ययन किया गया था। इन 19 प्रखंडों में से 13 दक्षिण 24 परगना में जबकि छह उत्तर 24 परगना में हैं। यह अध्ययन हाल में प्रकाशित हुआ है।

अध्ययन में कहा गया है, लड़कों और लड़कियों के बीच मृत्यु दर में कोई अंतर नहीं है। अधिकतर बच्चे अपने घरों के 50 मीटर के भीतर तालाबों में डूब गए। घटना के समय उनकी प्राथमिक देखभाल करने वाले लोग घरेलू कामकाज में लगे हुए थे और उनके साथ नहीं थे। तटीय सुंदरवन क्षेत्र में बच्चों डूबने की समस्या की भयावहता का अंदाजा लगाने के लिए गैर-सरकारी संगठन 'चाइल्ड इन नीड इंस्टीट्यूट' (सीआईएनआई) ने वैश्विक एजेंसियों 'रॉयल नेशनल लाइफबोट इंस्टीट्यूशन' (आरएनएलआई) और 'द जॉर्ज इंस्टीट्यूट' (टीजीआई) के साथ साझेदारी के तहत यह अध्ययन किया। पश्चिम बंगाल के दक्षिण पूर्वी हिस्से में और बांग्लादेश के दक्षिण पश्चिमी भाग में सुंदरबन मैन्ग्रोव क्षेत्र है। मैन्ग्रोव क्षेत्र में छोटे पेड़ या झाड़ी उगती है। समुद्र तट के किनारे दलदली भूभाग में उगने की वजह से इन छोटे पेड़ों या झाड़ियों की जड़ें अक्सर नमक वाले पानी के नीचे, तलछट में होती हैं।

भारतीय क्षेत्र में सुंदरबन मैन्ग्रोव 100 से अधिक द्वीपों में फैला है और यहां करीब 40 लाख लोग रहते हैं। कुल आबादी में बच्चों की संख्या करीब 15.9 प्रतिशत है और उनकी उम्र एक साल से नौ साल तक है।

अजित पवार ने खुद को राकांपा का अध्यक्ष बताया, शरद पवार का जिक्र किए बिना यशवंतराव को प्रेरणास्रोत करार दिया

मुंबई/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के भीतर विभाजन पर निर्वाचन आयोग की सुनवाई के बीच, बगावती गुट के प्रमुख अजीत पवार ने मंगलवार को खुद को राकांपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बताया और एकनाथ शिंदे सरकार में शामिल होने के अपने कदम का बचाव किया। अजित पवार ने आठ अन्य राकांपा विधायकों के साथ शिवसेना-भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार में शामिल होने के बाद दो जुलाई को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उन्होंने उपमुख्यमंत्री के रूप में मंगलवार को 100 दिन का कार्यकाल पूरा किया।

इस अवसर पर जारी एक बयान में अजित पवार ने महाराष्ट्र के पहले मुख्यमंत्री दिवंगत यशवंतराव चव्हाण को अपना प्रेरणा स्रोत बताया। हालांकि, उन्होंने अपने चाचा और राकांपा के संस्थापक शरद पवार के नाम का जिक्र नहीं किया। उन्होंने यशवंतराव चव्हाण की विरासत पर भी दावा करते हुए कहा कि राज्य के पहले मुख्यमंत्री से उन्हें लोगों के कल्याण के लिए काम करने की प्रेरणा मिलती है। शरद पवार (82) यशवंतराव चव्हाण को अपना राजनीतिक गुरु मानते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य से जूझने वाले 80 प्रतिशत भारतीय इलाज नहीं कराना चाहते : चिकित्सक

नई दिल्ली/भाषा। चिकित्सकों का कहना है कि मानसिक स्वास्थ्य से जूझने वाले 80 प्रतिशत भारतीय उपचार नहीं कराना चाहते हैं और इसकी वजह जागरूकता की कमी, लापरवाही और लोकलाज है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मनोवैज्ञानिक मुद्दों को व्यापक रूप से समझने तथा समय से चिकित्सा मदद पाने के लिए शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता शिक्षा प्रणाली का अभिन्न हिस्सा होना चाहिए। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के मनोचिकित्सा विभाग के प्रोफेसर डॉ. नंद कुमार ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों के बारे में लोगों के बीच जागरूरता एवं समझ का अभाव है , इसलिए इस (मनो) स्थिति की जांच नहीं हो पाती है। उन्होंने कहा, '' जबतक व्यक्ति यह अहसास नहीं करेगा कि वह बीमार/रूग्न है तबतक वह कैसे इलाज करना चाहेगा। लक्षणों की पहचान होने और इलाज शुरू होने के बीच के समय में काफी फासला हो जाता है , फलस्वरूप जटिलताएं काफी बढ़ जाती हैं।''

धोनी से तुलना से सम्मानित लेकिन उसकी तरह शांतचित्त नहीं हूं : हॉकी कप्तान हरमनप्रीत

नई दिल्ली/भाषा। एशियाई खेल चैम्पियन भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह महान क्रिकेट कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से तुलना पसंद नहीं करते और उनका मानना है कि वह मैदान पर धोनी की तरह शांतचित्त नहीं रहते । एशियाई खेलों में 13 गोल करने वाले हरमनप्रीत की धोनी से तुलना महान हॉकी खिलाड़ी धनराज पिल्लै ने की थी। यहां पीटीआई कार्यालय में आये हरमनप्रीत ने कहा ,'' मैदान पर मैं कभी शांत नहीं रहता । मैं आक्रामक रहता हूं लेकिन मैदान के बाहर शांत रहने की कोशिश करता हूं । '' भारत को 2011 विश्व कप दिलाने वाले धोनी को दबाव के क्षणों में शांत रहने के लिये 'कैप्टन कूल' कहा जाता है । हरमनप्रीत ने कहा ,'' मैं गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं कि मेरी तुलना धोनी जैसे महान खिलाड़ी से हुई लेकिन मैं मैदान पर उतना कूल नहीं रहता ।'' पेरिस ओलंपिक के लिये क्वालीफाई करने के बाद अब भारतीय टीम राहत की सांस ले रही है और अब नजरें पेरिस में पदक का रंग बदलने पर लगी है । हरमनप्रीत ने कहा ,'' एक खिलाड़ी के तौर पर आप कभी संतुष्ट नहीं रहते । आपको अपना सपना पता होता है । स्वर्ण जीतने के बाद अगली बार आप उसे बरकरार रखना चाहोगे ।''

विश्व रैंकिंग में नंबर एक बनी सात्विक और चिराग की जोड़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार पुरुष जोड़ी हांगझोउ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के बाद विश्व रैंकिंग में नंबर एक पर काबिज होने वाली पहली भारतीय युगल जोड़ी बनी।

बीते शनिवार को हांगझोउ में एशियाई खेलों में भारत के लिए बैडमिंटन का पहला स्वर्ण पदक जीने वाले सात्विक और चिराग दो स्थान के फायदे से बीडब्ल्यूएफ की नीवनतम रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गए हैं।

यह जोड़ी इसके साथ ही महान खिलाड़ी प्रकाश पादुकोण, साइना नेहवाल और किदांबी श्रीकांत की सूची में शामिल हो गई है जिन्होंने नंबर एक विश्व रैंकिंग हासिल की।

राष्ट्रमंडल खेलों के गत चैंपियन और

एशियाई चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता सात्विक और चिराग ने रविवार को हुए एशियाई खेलों के फाइनल में चोइ सोलग्यु और किम वोनहो की दक्षिण कोरिया की जोड़ी को सीधे गेम में 21-18 21-16 से हराया था। सात्विक और चिराग ने अप्रैल में दुबई में एशियाई चैंपियनशिप का स्वर्ण पदक जीता था। यह जोड़ी जून में इंडोनेशिया ओपन का खिताब जीतकर बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 टूर्नामेंट जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने। महिला एकल में पीवी सिंधू एशियाई खेलों में पदक जीतने में नाकाम रहने के बावजूद दो स्थान के फायदे से 13वें पायदान पर पहुंच गई हैं।

एशियाई खेलों में कांस्य पदक के रूप में पुरुष एकल में भारत को 41 साल बाद पदक दिलाने के बावजूद एचएस प्रणय एक स्थान के नुकसान से विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर हैं।

टीम स्पर्धा में रजत पदक के दौरान अपने दोनों एकल मुकाबले जीतने वाले लक्ष्य सेन भी एक स्थान के नुकसान से 15वें नंबर पर हैं। किदांबी श्रीकांत एक स्थान के फायदे से 20वें पायदान पर हैं।

गायत्री गोपीचंद और त्रीशा जॉली की महिला युगल जोड़ी भी एक स्थान आगे बढ़कर 16वें स्थान पर है।

स्पिन खेलने में हमारी टीम बेहतर: शाहिदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बांग्लादेश के स्पिन गेंदबाजों के सामने संघर्ष करने वाले अफगानिस्तान के कप्तान हश्मतुल्लाह शाहिदी ने भारत के खिलाफ वनडे विश्व कप मैच से पहले मंगलवार को यहां कहा कि उनकी टीम स्पिनरों का सामना करने के मामले में काफी बेहतर है।

बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल हसन और मेहदी हसन मिराज ने तीन-तीन विकेट लिए थे, जिससे अफगानिस्तान धर्मशाला में 156 रन पर आउट हो गया था। शाहिदी ने उसे टीम के लिए एक खराब मैच करार देते हुए कहा कि उनके बल्लेबाज बुधवार को कुलदीप यादव की अगुवाई वाले भारतीय स्पिनरों से निपटने को तैयार है। अफगानिस्तान के पास विश्व स्तरीय स्पिनर हैं और राशिद खान और मुजीब उर रहमान नियमित रूप से नेट सत्र में गेंदबाजी करते हैं। शाहिदी ने मैच की पूर्व संध्या पर कहा, ''हम नेट सत्र में बेहतर स्पिनरों के साथ खेलते हैं। राशिद, (मोहम्मद) नबी , नूर (अहमद) और मुजीब को देखें, तो हम उन्हें हर दिन खेलते हैं। इसलिए, मुझे लगता है कि स्पिन गेंदबाजी खेलने में हमारी टीम कहीं बेहतर है।'' उन्होंने कह, ''आप जानते हैं कि उस मुकाबले में हमने संघर्ष किया था, लेकिन एक मैच के आधार पर यह नहीं कह सकते कि हमारे बल्लेबाज स्पिनरों का सामना नहीं कर सकते । वह मैच अतीत की बात है और हम जानते हैं कि हम स्पिनरों को बेहतर खेल सकते हैं और हम अगले मैच में वापसी करने की कोशिश करेंगे।''

शाहिदी को यह अच्छे से पता है अफगानिस्तान की टीम सिर्फ अपने स्पिनरों के बूते टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन नहीं कर सकेगी। इसके लिए टीम के बल्लेबाजों को अपने खेल का स्तर बेहतर करना होगा। उन्होंने कहा, '' मैंने टूर्नामेंट शुरू होने से पहले कहा था कि बल्लेबाजी इकाई के तौर पर हम बेहतर क्रिकेट खेलेंगे। स्पिन गेंदबाजी विभाग में हम अच्छे हैं लेकिन सिर्फ एक विभाग से आप मैच नहीं जीत सकते। मैच जीतने के लिए हमें रन बनाने होंगे, बांग्लादेश के खिलाफ हम ऐसा नहीं कर सके थे।''

सुविचार

जो लोग अपने जीवन में बहुत जल्दी गुस्सा करते हैं, वो लोग वास्तव में दिल के बड़े सच्चे होते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शिक्षा : एक मौलिक अधिकार

सरकारी स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के संबंध में कर्नाटक उच्च न्यायालय की टिप्पणी सभी राज्य सरकारों को आईना दिखाती है। जिन संस्थानों पर हमारे देश के भावी कर्णधार तैयार करने की जिम्मेदारी है, अगर वे बुनियादी सुविधाओं तक से वंचित हैं तो भविष्य कैसा होगा? मुख्य न्यायाधीश प्रसन्ना बी वराले और न्यायमूर्ति कृष्णा एस दीक्षित की पीठ की यह टिप्पणी कि 'क्या शिक्षा सिर्फ विशेषाधिकार वाले बच्चों के लिए आरक्षित है', पढ़ने / सुनने में कड़वी लग सकती है, लेकिन यही सवाल वर्षों से कई परिवार सरकारों से पूछना चाहते हैं। आज स्थिति यह आ पहुंची है कि अगर कोई परिवार आर्थिक दृष्टि से थोड़ा-सा भी सक्षम है तो अपने बच्चे के लिए निजी स्कूल को प्राथमिकता देना चाहेगा। न्यायालय के इन शब्दों में उन परिवारों की पीड़ा भी छिपी हुई है- 'शिक्षा एक मौलिक अधिकार है, लेकिन सरकार सरकारी स्कूलों में सुविधाएं मुहैया कराने में विफल रही, जिसकी वजह से गरीब लोगों को अपने बच्चे निजी स्कूलों में भेजने के लिए मजबूर होना पड़ा। इससे अप्रत्यक्ष रूप से निजी स्कूलों को फायदा पहुंच रहा है।' भारत की स्वतंत्रता के बाद केंद्र और समस्त राज्य सरकारों को सरकारी स्कूलों में सुधार एवं बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर देना चाहिए था। अगर यह काम गंभीरता से किया जाता तो दो-तीन दशकों में स्थिति बहुत बेहतर हो सकती थी। जब सात दशक बाद भी सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो / चित्र वायरल होते हैं, जिनमें सरकारी स्कूल पेयजल, शौचालय, बैठने के लिए बेहतर व्यवस्था तक के लिए तरसते नजर आते हैं तो सवाल उठने स्वाभाविक हैं। सरकारी स्कूलों में कई बार आवारा पशु घुस आने की खबरें छप चुकी हैं।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने माना है कि सरकारी स्कूलों में शौचालयों की कमी और पेयजल सुविधाओं से संबंधित खामियां वर्ष 2013 में उसके सामने लाई गई थीं, लेकिन इन कमियों को दूर करने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की गई। यही नहीं, अब तक 464 सरकारी स्कूलों में शौचालयों की कमी है और 32 में तो पेयजल सुवधिा तक नहीं है! यह तो मीडिया ने मामला उठा दिया, जिसके बाद एक जनहित याचिका दाखिल की गई। अगर मामला नहीं उठाया जाता, याचिका दाखिल नहीं की जाती तो आज इस पर चर्चा भी नहीं होती। न्यायालय ने उचित कहा, 'क्या राज्य को यह सब बताना हमारा काम है? यह सब कई वर्षों से चला आ रहा है। बजट में स्कूलों और शिक्षा विभाग के लिए कुछ राशि दिखाई जाती है। उस राशि का क्या हुआ?' न्यायालय ने सभी स्कूलों में उपलब्ध कराई जा रहीं बुनियादी सुविधाओं को लेकर सरकार को आठ सप्ताह के भीतर हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दे दिया है। सरकार उसमें क्या कहेगी? इस पर सबकी नजर होगी। प्राय: सरकारें यह कहकर वाहवाही पाने की कोशिशें करती हैं कि उन्होंने आम लोगों को लाभ देने के लिए इतनी योजनाएं चला रखी हैं, जिनमें मिलने वाली सुविधाएं नि:शुल्क हैं या नाम मात्र की लागत पर मिल रही हैं। निस्संदेह ऐसी कल्याणकारी योजनाएं होनी चाहिएं। सामान्य पृष्ठभूमि और जरूरतमंद तबके से आने वाले लोगों को सहारा देना सरकार की जिम्मेदारी भी है। इसके साथ ही सरकारी स्कूलों की ओर ध्यान देना चाहिए। सरकारें अन्य योजनाओं में मिली सफलता को तो जोर-शोर से गिनाती हैं, लेकिन यह बताने में ज्यादा दिलचस्पी नहीं लेतीं कि सरकारी स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए क्या किया और अभी क्या-क्या करना बाकी है? संभवत: इसलिए, क्योंकि इसमें चुनावी फायदा नहीं है या कम है! सरकारें सर्वांगीण विकास का वादा करती हैं तो याद रखें कि इसके लिए सरकारी स्कूलों की दशा में सुधार करना अनिवार्य है। नागरिकों को भी चाहिए कि वे सरकारों से इस संबंध में सवाल करें। अगर इसकी उपेक्षा करेंगे तो भविष्य में सबको बड़ी कीमत चुकानी होगी।

ट्वीटर टॉक

कांग्रेस सरकार द्वारा कर्जमाफी का वादा पूरा नहीं करने से सैकड़ों किसानों ने आत्महत्या की, पेपर लीक से युवाओं के सपने तोड़े, किसान और युवा जनविरोधी कांग्रेस सरकार को सबक सिखाने को तैयार हैं।

-सतीश पूनिया

राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी अरूण सिंह जी के साथ भाजपा की मूल शक्ति कार्यकर्ता साथियों से मिलकर उत्साह दोगुना हो गया। चुनाव प्रबन्धन समिति कार्यशाला में उनसे चुनावी माहौल पर फीडबैक लिया। उनसे परिवर्तन का संकल्प पूरा करने में कोई कसर बाक़ी न रखने का विनम्र आग्रह किया।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

विद्याधर नगर से विधानसभा चुनाव का प्रत्याशी बनाए जाने के पश्चात विद्याधर नगर एवं प्रदेश के अन्य क्षेत्रों से पधारे पार्टी के कार्यकर्ता बंधुओं से आत्मीय मुलाकात हुई। कार्यकर्ताओं द्वारा लगातार मिल रहे शुभकामना संदेशों से अभिभूत हूँ।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

विश्वास से चमत्कार

पंडित मदन मोहन मालवीय जी बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए संकल्पवान होकर चंदा जमा कर रहे थे। कोशिश करते हुए तीन पखवाड़े बीत गये लेकिन कोई खास रकम जमा नहीं हो पाई थी। एक शाम रेल यात्रा के दौरान मालवीय जी सभी रेलयात्रियों को अपना यह संकल्प बताने लगे। लेकिन इस तरह सरेआम चंदा मांगने के आग्रह को देखकर उनके साथ बैठे सहयोगी काफी शर्मिंदा महसूस कर रहे थे। मगर, कुछ मिनट बाद एक युवक ने अपना नाम और शहर सहित आवास का पता पंडित मदन मोहन मालवीय को सौंपकर कहा कि अगले सप्ताह यहां आकर आप मनचाही रकम ले जायें। उनके सभी सहयोगी, 'अरे चमत्कार, चमत्कार' कहकर उस कारोबारी युवक का वह नाम पता देखते रह गये। तब उनसे पंडित मदन मोहन मालवीय जी ने कहा कि देखो, विश्वास करने में चमत्कार जैसा कुछ नहीं है लेकिन विश्वास के साथ काम करने वाले तो जगत में चमत्कार ही कर देते हैं।

सामयिक

मतदाता जागरूक बनें एवं दिखाएं अपनी ताकत

ललित गर्ग

मो. 9811051133

पांच राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। उनकी तारीखों का भी ऐलान हो गया है, अब चुनावी बिगुल बज चुका है, राजनीतिक दल एवं उम्मीदावार मतदाताओं को रिझाने, लुभाने एवं अपने पक्ष में मतदान कराने के लिये तरह-तरह के दांवपेंच चलायेंगे, इन लुभावनी छटाओं के बीच एक दिन के राजा यानी मतदाता को सतर्क एवं सावधान होकर अपने मत का उपयोग करना होगा। चुनाव मतदाताओं के हाथ में एकमात्र लेकिन बहुत ही कारगर संवैधानिक अधिकार होता है, जिसके सहारे वे जनप्रतिनिधियों का ही नहीं राष्ट्र का भविष्य निर्धारित-निर्मित करते हैं। इसलिये वक्त की नजाकत को देखते हुए मतदाता किसी प्रलोभन में न आये और देश-हित में सृजन करें। गरीब देश की टूटती सांसों को जीने की उम्मीद दें। भ्रष्टाचार में आकंठ लिप्त धमनियों में ईमानदारी एवं पारदर्शिता का संचार करें। इस वक्त सब-कुछ बाद में, पहले देश-हित की रक्षा और उसकी अस्मिता है, राष्ट्रीय एकता का लक्ष्य है। मतदाता इसी लक्ष्य से पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव को निर्णायक मोड़ दे सकेगा।

मतदाता को जागरूक होकर चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं पारदर्शी बनाने में सहयोग करना होगा। भारतीय लोकतंत्र दुनिया का विशालतम लोकतंत्र है और समय के साथ परिपक्व भी हुआ है। बावजूद इसके लोकतंत्र अनेक विसंगतियों एवं विषमताओं का भी शिकार है। मुख्यत: चुनाव प्रक्रिया में अनेक छिद्र हैं, सबसे बड़े लोकतंत्र का सबसे बड़ा छिद्र चुनावों की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता को लेकर है। खरीद-फरोख्त, नशा एवं मतदाताओं को लुभाने एवं आकर्षित करने का आरोप भी लोकतंत्र पर बड़े दाग हैं। चुनाव सुधारों की तरफ हम चाह कर भी बहुत तेजी से नहीं चल पा रहे हैं। चुनाव आयोग जैसी बड़ी और मजबूत संस्था की उपस्थिति के बाद भी चुनाव में धनबल, बाहूबल एवं सत्ताबल का प्रभाव कम होने के बजाए बढ़ता ही जा रहा है। ये तीनों ही हमारे प्रजातंत्र के सामने सबसे बड़ा संकट है। इसलिये पांच राज्यों में राजनीतिक दलों और मतदाताओं की ही नही, चुनाव आयोग की भी परीक्षा होगी।

मतदाता की बड़ी जिम्मेदारी का यह एक दिन नये भारत-सशक्त भारत को निर्मित करने का आधार है। लेकिन विडम्बना ही है कि मतदाता अपने अमूल्य वोट को चंद चांदी के टुकडों में बेच देता हो, सम्प्रदाय-जाति के उन्माद में योग्य-अयोग्य की पहचान हो खो देता हो, वह मतदाता भला योग्य उम्मीदवार को कैसे विधायी सदनों में भेज पाएंगा? नये-नये नेतृत्व उभर रहे हैं लेकिन सभी ने देश-सेवा के स्थान पर स्व-सेवा में ही एक सुख मान रखा है। आधुनिक युग में नैतिकता जितनी जरूरी मूल्य हो गई है उसके चरितार्थ होने की सम्भावनाओं को उतना ही कठिन कर दिया गया है। ऐसा लगता है मानो ऐसे तत्व पूरी तरह छा गए हैं। खाओ, पीओ, मौज करो। सब कुछ हमारा है। हम ही सभी चीजों के मापदण्ड हैं एवं निर्णायक हैं। हमें लूटपाट करने का पूरा अधिकार है। हम समाज में, राष्ट्र में, संतुलन व संयम नहीं रहने देंगे। यही आधुनिक सभ्यता का घोषणा पत्र है, जिस पर लगता है कि हम सभी ने हस्ताक्षर किये हैं। भला इन स्थितियों के बीच पांच राज्यों के चुनावों में हमें वास्तविक जीत कैसे हासिल हो सकेगी?

आखिर जीत तो हमेशा सत्य की ही होती है और सत्य इन तथाकथित राजनीतिक दलों एवं उनके दागी उम्मीदवारों के पास नहीं है। किसी लोकतंत्र और उनके नुमाइंदों को देखकर इसका भान किया जा सकता है कि वहां के नागरिक, मौजूदा स्थिति में मतदाता, कितने समझदार और जिम्मेदार हैं। इसी समझदारी का परिचय मतदाताओं को देना है। आधार उनके पास है ही। उन्होंने शासन देखा है, माहौल भोगा है, नीति एवं नियमों की अनदेखी देखी है, अपने जनप्रतिनिधियों को परखा भी है और विपक्षियों को करीब से जाना भी है। वे भलीभांति महसूस कर सकते हैं कि संवेदनशीलता एवं राष्ट्रहित की उम्मीद वे किन से कर सकते हैं, कौन उनका खुद का, उनके परिवार, समाज और राज्य का भला करने वाला है, किसके हाथ में शासन की बागडोर सौंपकर वे निश्चिंत हो सकते हैं। जैसाकि हम जानते हैं कि लोग शीघ्र ही अच्छा देखने के लिए बेताब हैं, उनके सब्र का प्याला भर चुका है। लोकतंत्र को दागदार बनानेवाले अपराध और अपराधियों की संख्या बढ़ रही है। जो कोई सुधार की चुनौती स्वीकार कर सामने आता है, उसे रास्ते से हटा दिया जाता है। लेकिन इस बार प्रधानमंत्री स्वयं एक नया रास्ता बनाने, लोकतंत्र को सुदृढ़ बनाने एवं चुनाव की खामियों को दूर करने की ठानी है, इसलिये एक नया सूरज तो उदित होगा। लेकिन यह नया सूरज उगाने में मतदाता ही योगभूत है।

मतदाता को दूरगामी एवं परिपक्व होना होगा, प्रशिक्षित होना होगा, तभी लोकतंत्र सुदृढ़ हो पायेगा एवं चुनाव के महासंग्राम के नीर-क्षीर से सक्षम एवं ईमानदार जनप्रतिनिधि चुने जा सकेंगे। जबकि अनेक मतदाताओं को अपने हिताहित का ज्ञान नहीं है, इसलिये हित-साधक एवं जिम्मेदार जनप्रतिनिधि एवं दल का चुनाव नहीं कर पाते। मतदाता की यह गलती एवं गैर-जिम्मेदारी आजादी के अमृतकाल में विश्राम पाये, इसके लिये इन पांच राज्यों के चुनाव कसौटी के हैं। ये चुनाव इसलिये भी महत्वपूर्ण है कि इनको अगले लोकसभा चुनाव की पूर्वपीठिका के तौर पर देखा जा रहा है। इन पांच प्रदेशों से लोकसभा में 83 एवं राज्यसभा में 34 सांसद चुनकर आते हैं, ऐसे में कोई भी राजनीतिक दल इन चुनावों को हल्के में नहीं ले सकता। इन चुनावों के नतीजे आम-चुनाव के लिये हवा बनाने-बिगाड़ने का आधार होंगे, इसलिये राष्ट्रीय पार्टियां अपने तरकश सजाने लगी है। लेकिन मतदाता इस सजावटी माहौल में अपने विवेक एवं समझ को नये पंख एवं परिवेश दे, स्वयं की जिम्मेदारी को महसूस करें। खुद के होने का भान कराये।

जान-बूझकर से तो कोई भी मतदाता गलती नहीं करता, पर बहकावे, प्रलोभन, जात-पात, मोहमुग्धता एवं अभाव में तो कभी-कभी अज्ञानतावश जनप्रतिनिधि चयन में उनसे गलती हो जाती है और गलत, अपराधी एवं अपरिपक्व जनप्रतिनिधि चुन लिये जाते हैं। यह गलती न हो, इसके लिए उन्हें अच्छी तरह सोच-विचार कर फैसला करना चाहिए।

चुनाव लोकतंत्र प्रणाली का सबसे मजबूत पैर होता है, यह एक यज्ञ होता है। राष्ट्र के प्रत्येक वयस्क के संविधान प्रदत्त पवित्र मताधिकार प्रयोग का दुर्लभ अवसर है। सत्ता के सिंहासन पर अब कोई राजपुरोहित या राजगुरू नहीं बैठता अपितु जनता अपने हाथों से तिलक लगाकर नायक चुनती है। लेकिन पांच राज्यों में जनता तिलक किसको लगाये, इसके लिये सब तरह के साम-दाम-दंड अपनाये जायेंगे। हर राजनीतिक दल अपने लोकलुभावन वायदों एवं घोषणाओं को ही गीता का सार व नीम की पत्ती बतायेगा, जो सब समस्याएं मिटा देगी तथा सब रोगों की दवा है। लेकिन ऐसा होता तो आजादी के अमृतकाल तक पहुंच जाने के बाद भी देश एवं प्रदेश एवं उसके नागरिक गरीबी, महंगाई, भ्रष्टाचार, अफसरशाही, बेरोजगारी, अशिक्षा, स्वास्थ्य समस्याओं से नहीं जुझते दिखाई देते। ऐसी स्थिति में मतदाता अगर बिना विवेक के आंख मूंदकर मत देगा तो परिणाम उस उक्ति को चरितार्थ करेगा कि अगर अंधा अंधे को नेतृत्व देगा तो दोनों खाई में गिरेंगे। इन पांच राज्यों के चुनावों में मतदाता चाहे तो खुद को और अपने जनप्रतिनिधि को खाई में गिरने से बचाकर राष्ट्र को स्वस्थ एवं आदर्श लोकतंत्र दे सकता है।

चिंतन

देश की आर्थिक सेहत बिगाड़ देगी रेवड़ी कल्चर

राजेश माहेश्वरी

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव तारीखों की घोषणा चुनाव आयोग ने कर दी है। इन राज्यों के विधानसभा चुनाव के बाद अगले साल के शुरूआती महीनों में लोकसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में रेवड़ी कल्चर या मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की राजनीति बहस का केंद्रीय मुद्दा है। जिन राज्यों में चुनाव होने हैं वहां की सरकारों ने चुनाव आचार संहिता लगने से पहले वोटरों को प्रभावित करने के लिए लोकलुभावन योजनाओं के लिए सरकारी खजाने का मुंह खोलने में गुरेज नहीं किया। मुफ्तखोरी को बढ़ावा देने वाली इस राजनीति को लेकर एक जनहित याचिका सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई है। इस याचिका में कहा गया है कि मध्य प्रदेश और राजस्थान में सरकारें चुनावों से पहले मुफ्त की रेवड़ियां बांट रही है। इन पर रोक लगाई जाए। इस संबंध में बीती 6 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने मध्य प्रदेश, राजस्थान की सरकारों की अलावा केंद्र सरकार, चुनाव आयोग और रिजर्व बैंक को नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में सभी पक्षों को चार हफ्तों के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा है। इसके साथ ही कोर्ट ने इस विषय पर चल रही अन्य याचिकाओं को भी एक साथ जोड़ दिया है। अब सभी मामलों की सुनवाई अब एक साथ होगी।

वहीं इससे पहले जनवरी 2022 में सुप्रीम कोर्ट के वकील अश्विनी उपाध्याय फ्रीबीज के खिलाफ एक जनहित याचिका लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। अपनी याचिका में अश्विनी उपाध्याय ने चुनावों के दौरान राजनीतिक पार्टियों के वोटर्स से फ्रीबीज या मुफ्त उपहार के वादों पर रोक लगाने की अपील की थी। इसमें मांग की गई थी कि चुनाव आयोग को ऐसी पार्टियां की मान्यता रद्द करनी चाहिए। केंद्र सरकार ने अश्विनी से सहमति जताते हुए सुप्रीम कोर्ट से फ्रीबीज की परिभाषा तय करने की अपील की थी।

चुनावी रेवड़ी का दांव कोई नया नहीं है। सियासी खलीफा समय-समय पर इसे आजमाते रहे हैं. दक्षिण के राज्यों में तो चुनावी रेबड़ियां बांटे जाने का चलन आम रहा है। लेकिन आम आदमी पार्टी के दिल्ली और पंजाब मॉडल ने इसे संस्कृति का रूप दे दिया है। अब तो चुनावी रेवड़ी सियासतदानों की रणनीति का हिस्सा बन गई है। वे बेझिझक इसकी वकालत करने लगे हैं। अगर कुछ लोग इसका विरोध करते दिखते हैं, तो वह विरोध भी जुबानी होता है। इसका उनके सियासी आचरण से दूर दूर तक कोई लेना देना नहीं होता। कर्नाटक विधानसभा चुनाव इसका बेहतरीन उदाहरण है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि भारत जैसे देश में जहां करोड़ों लोगों को गरीबी से उबारना है वहां जन कल्याण की योजनाएं तो चलानी ही होंगी लेकिन जन कल्याण के काम करने और रेवड़ियां बांटने में अंतर होता है। इस अंतर को समझने के बजाय रेवड़ी संस्कृति को अपनाया जा रहा है। जब एक दल ऐसा करता है तो दूसरा भी ऐसा ही कुछ करने को मजबूर हो जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी कई मौकों पर इस ओर ध्यान आकर्षित कर चुके हैं कि रेवड़ी संस्कृति किस तरह लोकतंत्र और अर्थतंत्र का बेड़ा गर्क कर रही है।

फिलवक्त जो व्यवस्था है उसके मुताबिक चुनाव आयोग राजनीतिक दलों के घोषणा पत्रों पर ही अपनी आपत्ति जता सकता है। वह चुनाव बाद बनी सरकार की ओर से लिए जाने वाले लोकलुभावन फैसलों के खिलाफ कुछ नहीं कर सकता। अक्सर देखा गया है कि राजनीतिक दल वोटरों को लुभाने के लिए कुछ भी करने को तैयार रहते हैं। कुछ दल तो अनाप-शनाप लोकलुभावन घोषणाएं करके एक तरह से वोट खरीदने लगे हैं। फ्री बी या रेवड़ी संस्कृति सरकारी खर्च में वृद्धि करती है और सार्वजनिक कर्ज को बढ़ाती है। वर्तमान में देश का राजकोषीय घाटा बढ़ रहा है। राजकोषीय घाटे और बढ़ते सार्वजनिक कर्ज की चिंता को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। रिजर्व बैंक के आंकड़े बताते हैं कि मार्च 2021 तक देश के सभी राज्यों पर कुल 69.47 लाख करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज है। कहने का मतलब ये है कि स्थिति गंभीर है और चुनावी रेवड़ियों का कनात में परोसा जाना अगर जारी रहता है, तो तमाम चमक के बावजूद देश को अंधेरे के गर्त में जाने से कोई नहीं बचा सकता।

मंथन

असहमति और विरोध की परिणति हिंसा या युद्ध नहीं

संजीव ठाकुर

मोबाइल : 9009 415 415

किसी बात से असहमत होना और उसका हिंसात्मक विरोध करना दोनों अलग-अलग पहलू है। किसी विचार या मुद्दों से असहमत होने का मतलब हिंसा प्रतिफल के रूप में नहीं हो सकती है। विचारों से असहमति और विरोध का सबसे क्रूरऔर हिंसात्मक ताजा ताजा परिणाम फिलिस्तीन इजरायल युद्ध के रूप में सामने आया है जिसमें 2000 लोगों की जान चली गई और 5000 लोगों से ज्यादा घायल मानव शरीर कराह रहे हैं, दूसरी तरफ रूस यूक्रेन युद्ध ने दोनों देशों के लाखों लोगों को बेघर कर दिया है और हजारों लोगों की जान चली गई है। आखिर मानवता को क्या हो गया है इंसान इंसान का इतना बड़ा दुश्मन कैसे बन गया है। लोग एक दूसरे के खून के प्यासे हो गए हैं। वैश्विक शांति में खलबली मच गई है। धरती विश्व युद्ध की ओर बढ़ रही है। ऐसे में भारत जैसे देश को भी सावधान और सतर्क हो जाना चाहिए उसके परंपरागत शत्रु चीन और पाकिस्तान भी हमेशा भारत की सीमा में घात लगाए बैठे रहते हैं और आक्रमण का खतरा भी सदैव बना रहता है। आइये भारत पर एक रचनात्मक विश्लेषण करते हैं।

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक, प्रजातांत्रिक स्वतंत्र राष्ट्र है। वैचारिक चिंतन, प्रभुद्धता लोकतंत्र के प्रमुख अवयव होते हैं, राष्ट्र के किसी भी नीति में सहमत और असहमत होना एक सामान्य प्रक्रिया, प्रतिक्रिया हो सकती है, और आम जनमानस का किसी मुद्दे पर आप सहमत होना भी एक सामान्य बात हो सकती है पर किन्ही भी परिस्थितियों में असहमति हिंसा के रूप में कतई बर्दाश्त के योग्य नहीं होनी चाहिए, विरोध का स्वरूप राष्ट्रीय संपत्ति की बर्बादी तो किसी भी काल और खंड में स्वीकार्य नहीं है। यह राष्ट्र के लिए घातक और विकास की अवधारणा को अवरुद्ध करने वाला आत्मघाती कदम है। आंदोलन का स्वरूप सदैव शांति पूर्वक हो तो राष्ट्र तथा आमजन के हित में ही होगा। आंदोलनकारियों को शायद यह गुमान नहीं है कि राष्ट्रीय सरकारी संपत्ति आपके द्वारा दिए गए टैक्स के रूप में रुपयों से ही निर्मित होती है, इसे नष्ट करके आप स्वयं अपनी संपत्ति का नुकसान ही कर रहे हैं। आजादी के बाद से भारत के समक्ष कई सामाजिक आर्थिक समस्याएं आई है। अक्सर सामाजिक क्षेत्र में समस्याओं ने अर्थव्यवस्था की उत्तरोत्तर प्रगति पर अवरोध खड़े किए हैं। देश की सामाजिक विषमताओं ने समाज में कई समस्याओं को जन्म दिया है एवं आर्थिक प्रगति पर विभिन्न सोपानों में लगाम लगाई है। भारतीय समाज में विषमता एवं विविधता भारत के लिए एक बड़ी समस्या बनकर सामने खड़ी है। स्वतंत्रता के पूर्व तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारतीय समाज में विषमताएं भारत के लिए चुनौती बनकर वर्तमान में कई बाधाएं उत्पन्न कर रही हैं। आज जातिगत संघर्ष बढ़ गए हैं,जातिगत संघर्षों को राजनीतिक महत्वाकांक्षा ने बहुत क्लिष्ट बना दिया है। राजनीति सदैव महत्वाकांक्षा के बल पर जातिगत समीकरण को नए-नए रूप तथा आयाम देती आई है और सदैव समाज में वर्ग विभेद आर्थिक विभेद कर के अपना उल्लू सीधा करना मुख्य ध्येय बन चुका है। उच्च वर्ग तथा निम्न वर्ग सदैव सत्ता के संघर्ष के लिए न सिर्फ एक दूसरे का परस्पर विरोध करते है बल्कि शासन प्रशासन के विरोध में भी सदैव खड़े पाए गए हैं। सत्ता पाने की लालसा में जातीय संघर्ष, नक्सलवाद तेजी से समाज में पनपता जा रहा है। भारतीय परिपेक्ष में आज सिर्फ जाती ही नहीं धार्मिक महत्वाकांक्षा देश के समाज के समक्ष चुनौती बन गया है। भारत में हिंदू मुस्लिम जाति संघर्ष ऐतिहासिक तौर पर अपनी जड़ें जमां चुका है, वर्तमान में मंदिर और मस्जिद के झगड़े देश में अशांत माहौल पैदा करने का एक बड़ा सबक बन चुके है।और यही वर्ग विभेद संघर्ष भारतीय आर्थिक विकास के बीच एक बड़ा अवरोध बनकर खड़ा है।

पश्चिमी विद्वान भी कहते हैं कि भारत के राष्ट्र के रूप में विकसित होने में जाति एवं धर्म ही सबसे बड़ी बाधाएं हैं जिन्हें दूर करना सर्वाधिक कठिन कार्य है क्योंकि इसकी जड़ें भारत के स्वतंत्रता के पूर्व से देश में गहराई लिए हुए हैं। जातीय वर्ग संघर्ष और भाषाई विवाद ऐसा मुद्दा रहा है जिससे लगभग एक शताब्दी तक भारत आक्रांत रहा है। आजादी के बाद से ही भाषा विवाद को लेकर कई आंदोलन हुए खासकर दक्षिण भारत राज्यों द्वारा हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने एवं देश पर हिंदी थोपे जाने के विरोध में विरोध प्रदर्शनों को प्रोत्साहित किया गया। आज भी विभिन्न राज्यों में भाषाई विवाद एक ज्वलंत एवं संवेदनशील मुद्दा बना हुआ है, चाहे वह बंगाल हो, तमिलनाडु हो, आंध्र प्रदेश हो, उड़ीसा और महाराष्ट्र में भी भाषाई विवाद अलग-अलग स्तर पर सतह पर पाए गए हैं। समान सिविल संहिता को लेकर बहुसंख्यक संविधान में आक्रोश है दूसरी तरफ अल्पसंख्यक समुदाय इसलिए डरा हुआ है कि कहीं उसकी अपनी अस्मिता एवं पहचान अस्तित्व हीन ना हो जाए। स्वतंत्रता के बाद से यह विकास की मूल धारणा थी कि पंचवर्षीय योजनाओं में वर्ग विहीन समाज में लोकतांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष तरीके से समाज का आर्थिक विकास तथा रोजगार के साधन उपलब्ध हो सकेंगे।

आवश्यकता यह है कि हमें राष्ट्रवाद को सर्वोपरि मानकर इस पर अमल करना होगा। फिर चाहे वह सांस्कृतिक राष्ट्रवाद हो या समावेशी राष्ट्रवाद हो। समाज की मुख्यधारा में राष्ट्रवाद को एक प्रमुख अस्त्र बनाकर देश की प्रगति में इसका इस्तेमाल किया जाना चाहिए। भारत में आजादी के 75 वर्ष बाद भी ब्रिटिश हुकूमत की तरह गरीबी, भूखमरी, बेरोजगारी, नक्सलवाद, आतंकवाद, सांप्रदायिकता,भाषावाद एवं क्षेत्रीय विघटनकारी प्रवृत्तियां सर उठाये घूम रही हैं, हम इन पर अभी तक प्रभावी नियंत्रण नहीं लगा पाए हैं। हमें इन सब विसंगतियों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय नागरिकता एवं भारत राष्ट्र की विकास की अवधारणा को राष्ट्रवाद से जोड़कर आर्थिक विकास को एक नया आयाम देना होगा, तब जाकर भारत वैश्विक स्तर पर आर्थिक रूप से मजबूत एवं आत्मनिर्भर बन सकेगा।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

स्वागत

झारखंड भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी को मंगलवार को जमशेदपुर में 'संकल्प रैली' के दौरान समर्थकों द्वारा स्वागत करते हुए।

इजराइल को समर्थन देने के लिए अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, इटली के साथ आया ब्रिटेन

लंदन/भाषा। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने इजराइल में जारी संघर्ष पर चर्चा के लिए अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी और इटली के नेताओं से बात की है। इसके कुछ समय बाद सुनक उत्तरी लंदन के एक यहूदी उपासनागृह में आयोजित प्रार्थना में शामिल हुए और देश के यहूदी समुदाय को आश्वस्त किया कि वह उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे।

सुनक ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज और इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी के साथ अपने संयुक्त बयान में इजराइल के लिए 'दृढ़ता और एकजुटता' के साथ समर्थन व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने आतंकवाद के भयावह कृत्यों के लिए हमास की स्पष्ट तौर पर निंदा भी की।

अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और इटली के नेताओं ने संयुक्त बयान में कहा, '' हम स्पष्ट करते हैं कि हमास की आतंकवादी कार्रवाइयों का कोई औचित्य नहीं है और इसकी सार्वभौमिक रूप से निंदा की जानी चाहिए।

सुविख्यात भागवतभूषण, वेदविद्वान श्रीनाथ शास्त्री का शताब्दी महा-महोत्सव आध्यात्मिकता से सराबोर रहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वृन्दावन। श्री धाम वृन्दावन में श्री दादा गुरुदेव, श्रीनाथ जी शास्त्री (काछवाल) महाराज का जन्म शताब्दी महा महोत्सव मनाया गया। यह महोत्सव वैदिक यात्रा परिवार के तत्वावधान में आयोजित किया गया। आयोजन के मुख्य संयोजक श्री भागवत किंकर श्री अनुराग कृष्ण शास्त्री कन्हैया परिवार के सान्निध्य में बड़े स्तर पर यह आयोजन किया गया जिसमें देश के नामीगिरामी संत महात्मा, विद्वान उपस्थित हुए। इस दिव्य आयोजन में देश विदेश से श्रीनाथजी शास्त्री एवं भागवत कथाकार अनुरागकृष्ण शास्त्री के शिष्यगण भी उपस्थित रहे। वृन्दावन में आयोजित इस मनभावन कार्यक्रम में खांडल विप्र समाज के सदस्यों ने अधिक से अधिक संख्या में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। खांडल विप्र समाज में अपने परिवार के दादागुरु का जन्म शताब्दी समारोह इस तरह से मनाया जाना पहली बार देखने और सुनने को मिला। वैदिक पथिक श्रीनाथजी शास्त्री के सुपौत्र श्री अनुराग कृष्ण शास्त्री ने इस सपने को साकार किया। ज्ञातव्य है कि अनुरागकृष्ण शास्त्री स्वयं भी देश के अग्रणी कथाकारों में विशेष स्थान रखते हैं और आध्यात्मिक रुचि के लोगों में खासे लोकप्रिय हैं। संत महात्माओं से भी उनकी आत्मीयता, उनके प्रति श्रद्धाभाव एवं विनम्रतापूर्ण व्यवहार के कारण ही बड़े बड़े संत इस आयोजन में शामिल हुए।

तंजानिया की राष्ट्रपति हसन जेएनयू से डॉक्टरेट की मानद उपाधि पाने वाली पहली महिला बनीं

नई दिल्ली/भाषा

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) ने तंजानिया की राष्ट्रपति सामिया सुलुहू हसन को मंगलवार को डॉक्टरेट की मानद उपाधि से नवाजा। इसी के साथ, वह जेएनयू द्वारा डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित की जाने वाली पहली महिला बन गईं। हसन तंजानिया की पहली महिला राष्ट्रपति हैं। वह रविवार को चार दिवसीय दौरे पर भारत आई थीं। उन्होंने अफ्रीका के एक गांव से ताल्लुक रखने वाले एक साधारण परिवार में पैदा होने से लेकर देश की राष्ट्रपति बनने तक के अपने सफर के बारे में बताया।

डॉक्टरेट की मानद उपाधि स्वीकार किए जाने के बाद अपने संबोधन में हसन ने कहा, ''दुनिया कहती है कि भारत के प्यार में पड़ने से बचने का कोई रास्ता नहीं है, चाहे वह भारतीय गीत हों, भारतीय फिल्में हों या भारतीय व्यंजन हों, भारतीय आकर्षण से दूर रह पाना बहुत मुश्किल है। मुझे इसका अनुभव तब हुआ, जब मैं पढ़ाई के सिलसिले में 1998 में पहली बार हैदराबाद आई थी।'' उन्होंने कहा, ''मैं यहां जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय परिवार के एक सदस्य के रूप में खड़ी हूं, न कि एक अतिथि के रूप में। यही बात भारत को अत्यंत सम्मोहक बनाती है। यही बात भारत को अतुल्य भारत बनाती है।''

हसन ने कहा कि भारत उपनिवेशवाद के खिलाफ संघर्ष में हमेशा एक कंधा रहा है। उन्होंने कहा, ''उपनिवेशवाद के खिलाफ हमारे संघर्ष में, भारत हमेशा एक कंधे के रूप में रहा है, जिसका सहारा लिया जा सकता है। साथ मिलकर, हम प्रभावी सकारात्मक बदलावों की वकालत करने वाली एक सशक्त आवाज बन सकते हैं।''हसन ने कहा, ''यह सम्मान जिम्मेदारियों और उम्मीदों के साथ आता है। महान विश्वविद्यालय से मुझे मिली इस व्यापक मान्यता से मेरा हृदय कृतज्ञता से भर उठा है। मैं इस डिग्री के लिए मुझे योग्य समझने की खातिर आभार जताती हूं... यह मुझे किसी विदेशी विश्वविद्यालय से मिली पहली डिग्री है।'' कार्यक्रम में केंद्रीय शिक्षा एवं कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और विदेश मंत्री एस जयशंकर भी शामिल हुए। जयशंकर ने कहा, ''भारत और तंजानिया के बीच आर्थिक संबंध हमेशा एक मजबूत स्तंभ रहे हैं। तंजानिया के साथ हमारे व्यापारिक संबंध सदियों पुराने हैं, जब भारत के पश्चिमी तट के व्यापारी पहली बार व्यापार और वाणिज्य के लिए समुद्री मार्ग से पूर्वी अफ्रीका गए थे। (कोविड-19) महामारी से उत्पन्न वैश्विक व्यवधान और चुनौतियों के बावजूद द्विपक्षीय व्यापार में दोनों ओर से मजबूत वृद्धि देखी गई है।''

सबसे अमीर भारतीय बने मुकेश अंबानी

मुंबई/भाषा

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी अडाणी समूह के प्रमुख गौतम अडाणी को पछाड़कर सबसे अमीर भारतीय बन गए हैं। '360 वन वेल्थ हुरुन इंडिया' की भारतीय अमीरों की 2023 की सूची के अनुसार, रिलायंस इंडस्ट्रीज के 66 वर्षीय प्रमुख की संपत्तियां मामूली दो प्रतिशत बढ़कर 8.08 लाख करोड़ रुपये हो गई हैं, जबकि अडाणी की संपत्ति 57 प्रतिशत घटकर 4.74 लाख करोड़ रुपये रह गई है। हुरुन के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य शोधकर्ता अनस रहमान जुनैद ने अडाणी की संपत्ति में गिरावट के लिए जनवरी में प्रकाशित हिंडनबर्ग रिपोर्ट को जिम्मेदार ठहराया है। अमेरिकी वित्तीय शोध एवं निवेश कंपनी हिंडनबर्ग ने जनवरी में अडाणी समूह पर बही-खातों में गड़बड़ी तथा शेयरों के भाव में हेराफेरी के साथ विदेशी इकाइयों के अनुचित इस्तेमाल का आरोप लगाया था। इन आरोपों के बाद समूह की कंपनियों के शेयरों में बड़ी गिरावट आई थी। हालांकि, अडाणी समूह ने इन आरोपों को खारिज किया है। इस सूची में 138 शहरों के कुल 1,319 लोग शामिल हैं।

टीका (वैक्सीन) बनाने वाली कंपनी सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया के साइरस पूनावाला अब भी तीसरे सबसे अमीर भारतीय बने हुए हैं। उनकी संपत्तियां 36 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 2.78 लाख करोड़ रुपये हो गई हैं। एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शिव नाडर की संपत्ति में 23 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और वह 2.28 लाख करोड़ रुपये की संपत्तियों के साथ चौथे स्थान पर बरकरार हैं।

शीर्ष 10 में शामिल अधिकतर लोगों की रैंकिंग में सुधार हुआ है। गोपीचंद हिंदुजा अब पांचवें स्थान हैं, जबकि छठे स्थान पर दिलीप सांघवी, सातवें स्थान पर लक्ष्मी निवास मित्तल, नौवें स्थान पर कुमार मंगलम बिड़ला और दसवें स्थान पर नीरज बजाज हैं। हालांकि, डी-मार्ट के राधाकिशन दमानी की कुल संपत्तियां 18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1.43 लाख करोड़ रुपये पर आ गईं। इससे वह तीन पायदान फिसलकर अमीरों की सूची में आठवें स्थान पर आ गए हैं। ज़ोहो की राधा वेम्बु ने फाल्गुनी नायर को पीछे छोड़ा है और वह सबसे अमीर भारतीय महिला बन गई हैं, जबकि जेप्टो की कैवल्य वोहरा इस सूची में सबसे कम उम्र की महिला हैं।

जेलेंस्की पड़ोसी देश रोमानिया पहुंचे

बुखारेस्ट/एपी

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की अपने देश पर रूस के आक्रमण की पृष्ठभूमि में क्षेत्रीय सुरक्षा तथा द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के तौर-तरीकों पर चर्चा के लिए मंगलवार को रोमानिया रवाना हुए। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा कि उन्होंने रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट में राष्ट्रपति क्लाउस क्लॉस इओहानिस से भेंटवार्ता की। कहा जाता है कि दोनों नेताओं ने काला सागर क्षेत्र में सुरक्षा सहयोग पर चर्चा की। रोमानिया पहुंचने के बाद जेलेंस्की ने इस नाटो सदस्य और यूरोपीय संघ के इस सदस्य देश को ''ऐसा मित्र बताया जो बुरे दौर में मदद के लिए आगे आया तथा जिसका सहयोग समय के साथ मजबूत होता गया।''

हाल के दिनों में रूस ने यूक्रेन में डैन्यूब नदी के किनारे विभिन्न बंदरगाहों पर लगातार हमले किये हैं। रूस का इरादा वैश्विक बाजार में अनाज का निर्यात करने की यूक्रेन की क्षमता को बाधित करना है। रोमानिया ने अपने क्षेत्र में ऐसे ड्रोन के टुकड़े गिरने की पुष्टि की है जिसका इस्तेमाल रूसी सेना ने यूक्रेन से सटी उसकी सीमा के समीप किया। यूक्रेन और रोमानिया ने रोमानिया के रास्ते अनाज का निर्यात की कोशिश करने और उसे बढ़ावा देने के लिए अगस्त में एक करार पर दस्तखत किये थे जिससे काला सागर के रास्ते सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित हुआ। एक महीना पहले रूस युद्धकालीन समझौते से पीछे हट गया था। रोमानिया का काला सागर बंदरगाह कॉस्टैंटा युद्ध प्रभावित यूक्रेन के अनाज के निर्यात के लिए अहम परिवहन मार्ग बन गया है।

अभिनेता आफताब शिवदासानी से डेढ़ लाख रुपये ठगे

मुंबई/भाषा। बॉलीवुड अभिनेता आफताब शिवदासानी से साइबर ठगों ने निजी बैंक के उनके खाते की जानकारियों को अद्यतन कराने के नाम पर 1.5 लाख रुपये ठग लिए। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। बांद्रा थाने के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना रविवार को हुई तथा अगले दिन इसके संबंध में मामला दर्ज किया गया। उन्होंने कहा, '' अभिनेता को किसी अज्ञात मोबाइल नंबर से संदेश मिला। उस संदेश में उन्हें बैंक से संबंधित केवाईसी (अपने ग्राहक को जानो) जानकारियां अद्यतन कराने का निर्देश दिया गया था और ऐसा नहीं होने पर खाते को निलंबित किए जाने की चेतावनी दी गई थी। शिवदासानी ने उस संदेश में उल्लेखित लिंक पर क्लिक किया। इसके बाद उन्होंने अन्य निर्देशों का पालन किया जिसके बाद उन्हें संदेश आया कि उनके खाते से 1,49,999 रुपये निकल गये हैं।''

अधिकारी ने बताया कि तब शिवदासानी ने सोमवार को बैंक प्रबंधक से संपर्क किया और उनकी सलाह के आधार पर पुलिस में शिकायत दर्ज करायी। उन्होंने कहा धारा 420 समेत भादंसं और सूचना प्रौद्योगिकी की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

'फुकरे-3' की सफलता के बाद कृति खरबंदा के साथ स्वर्ण मंदिर पहुँचे पुलकित सम्राट

मुंबई/एजेन्सी

फरहान अख्तर के बैनर एक्सेल एंटरटेनमेंट तले बनी निर्देशक मृगदीप लांबा की कॉमेडी फिल्म सीरीज फुकरे के 3रे भाग ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी लागत से दोगुनी कमाई करने में सफलता प्राप्त कर ली है। इस फिल्म ने सोमवार 9 अक्टूबर तक भारत में अपने प्रदर्शन के 12 दिनों में 78 करोड़ का कारोबार करने में सफलता प्राप्त कर ली है। वहीं दूसरी ओर वैश्विक स्तर पर इस फिल्म ने 100 करोड़ के आंकड़े को पार कर लिया है। फिल्म की इस कामयाबी के बाद पुलकित सम्राट ने स्वर्ण मंदिर में मत्था टेका और वाहे गुरु का आशीर्वाद लिया। इस दौरान उनकी गर्लफ्रेंड कृति खरबंदा भी उनके साथ थी। पुलकित व्हाइट कलर का कुर्ता पायजामा तथा कृति लाइट ब्लू कलर के सलवार सूट में दिखीं। पुलकित ने एक मैसेज के साथ अमृतसर की फोटो शेयर की हैं।

पुलकित ने लिखा, बहुत सारी खुशी के साथ सेलिब्रेशन कर रहा हूं क्योंकि र्फ्रीझीशू3 100 करोड़ का आंकड़ा वर्ल्डवाइड पार कर चुकी है। यह आंकड़ा ऑडियंस से मिलने वाला ढेर सारा प्यार और भगवान के आशीर्वाद को दर्शाता है। वाहे गुरु हमेशा हमारा ध्यान रखें। फुकरे 3 की अविश्वसनीय टीम को उनकी ऊर्जा, समय, पसीने और कई घंटों की नींद हराम करने के लिए बहुत-बहुत बधाई!

बता दें कि मृगदीप सिंह लांबा की कॉमेडी फिल्म में पुलकित के अलावा पंकज त्रिपाठी, ऋचा चड्ढा, वरुण शर्मा और मनजोत सिंह भी हैं। यह ऋचा और पुलकित की कहानी पर केंद्रित है, जिनका दिल्ली के सबअर्बन इलाके में चुनाव में आमना-सामना होता है। 28 सितंबर को रिलीज हुई 'फुकरे 3' ने सोमवार (9 अक्टूबर) को भारत में लगभग 1.50 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया। इसका 12 दिनों का कुल कलेक्शन 77.96 करोड़ रुपए हो गया है।

न्यू जर्सी में स्वामीनारायण अक्षरधाम का भव्य उद्घाटन समारोह

एक समयातीत और कल्पनातीत स्वप्न केसाकार होने का साक्षी बना विश्व

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रॉबिंसविले/न्यू जर्सी। यह उल्लास का क्षण था, एक ऐसा क्षण जो सीमाओं, संस्कृतियों और महाद्वीपों को पार कर गया। वैश्विक आध्यात्मिक और सामाजिक संस्था इ-झड ने रॉबिंसविले, न्यू जर्सी में स्वामी नारायण अक्षरधाम के भव्य उद्घाटन का उत्सव एक शानदार कार्यक्रम के रूप में मनाया, जिससे सबका हृदय आनंद और कृतज्ञता से भर गया। दुनिया भर से लाखों लोग इस ऐतिहासिक उत्सव के साक्षी बने, जो न केवल एक शानदार हिंदू मंदिर के अनावरण का प्रतीक था, बल्कि दुनिया को एक उपहार भी था - जी हाँ, संयुक्त राज्य अमेरिका में सबसे बड़ा हिंदू मंदिर।

बीएपीएस स्वामिनारायण अक्षरधाम, हिंदू कला, वास्तुकला और संस्कृति का सीमाचिह्न, भारतीय समुदाय की समृद्ध विरासत और परंपराओं के प्रमाण के रूप में खड़ा है। यह एशियाई भारतीय प्रवासी और विविध अमेरिकी समुदायों के बीच एक पुल के रूप में कार्य करता है, जो सभी को इसकी पवित्र दीवारों के भीतर मौजूद आध्यात्मिक और सांस्कृतिक खजाने का पता लगाने के लिए आमंत्रित करता है।

भव्य समर्पण समारोह आनंद और समर्पण की भावनाओं से भरा हुआ था। जैसे ही आतिशबाजी ने रात के आकाश को रोशन किया, उपस्थित सभी लोगों के मन पुलकित हो उठे। स्वामिनारायण अक्षरधाम परंपरा और आधुनिकता के मिश्रण का प्रतिनिधित्व करता है, जहां प्राचीन ज्ञान की गूंज वर्तमान की जीवंत ऊर्जा के साथ सामंजस्यपूर्ण रूप से प्रतिध्वनित होती है। बीएपीएस के आध्यात्मिक गुरु परम पावन महंतस्वामी महाराज ने अपने 90वें जन्मदिन पर दुनिया को एक उल्लेखनीय उपहार दिया। यह उपहार, स्वामिनारायण अक्षरधाम, एकता, आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है, जो विभिन्न पृष्ठभूमि के लोगों को बांधने वाले साझा मूल्यों को दर्शाता है। महंतस्वामी महाराज ने अपने आशीर्वाद में कहा, प्रमुखस्वामी महाराज की दिव्य इच्छा थी कि उत्तरी अमेरिका में एक अक्षरधाम का निर्माण किया जाए, जहां जाति, पंथ या धर्म के भेदभाव के बिना सभी लोग आ सकें और दर्शन कर सकें।

सभा को अपने संबोधन में, मैरीलैंड के अमेरिकी कांग्रेसी स्टेनी होयर ने कहा, यह मंदिर शानदार है। हमें इसके विशाल आकार पर आश्चर्य होता है। हम हजारों नक्काशीदार हाथियों, मोरों और अन्य मूर्तियों के पीछे की शिल्प कौशल की प्रशंसा करते हैं। लेकिन जो चीज़ मुझे सबसे असाधारण लगती है वह वह समुदाय है जिसने इसे बनाया है। स्वयंसेवकों के समर्पण और उनकी नि:स्वार्थ सेवा की सराहना करते हुए। होयर ने आगे कहा, उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि वे उन मूल्यों में विश्वास करते हैं जो यह संरचना प्रतिनिधित्व करती है: समानता, मुक्ति, सच्चाई, सद्भाव, और सबसे महत्वपूर्ण, दूसरों की सेवा। यहां निहित मूल्य सिर्फ हिंदू मूल्य नहीं हैं, वे मानवीय मूल्य हैं।

डेलावेयर के गवर्नर जॉन कार्नी ने संध्या सभा के संदेश के लिए अपनी राय साझा की- स्वामी ने ठीक पहले जो कहा था उससे मैं दंग रह गया कि मंदिर एक पुल है, अतीत से भविष्य तक एक पुल है, भारत से अमेरिका तक एक पुल है, एक समुदाय से दूसरे समुदाय तक एक पुल है। यह भक्ति का एक अविश्वसनीय स्थान है। इसके अलावा, न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूत रणधीर जायसवाल भी उपस्थित थे, जिन्होंने सभा को संबोधित किया और भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई संदेश दिया।

फिल्म 'विद्यापीठ' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी सिनेमा के जानेमाने अभिनेता अरविन्द अकेला कल्लू की आने वाली फिल्म विद्यापीठ का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। छात्र राजनीति और सामाजिक विषय पर बनी फिल्म विधापीठ में कल्लू के अपोजिट आयुषी दत्त तिवारी हैंइस फिल्म को योगेश राज मिश्रा ने निर्देशित किया है, जबकि फिल्म के निर्माता गोविंदा जी (रामजीत जयसवाल) और सह-निर्माता शमजीत हैं। फ़िल्म विद्यापीठ का ट्रेलर ग्लोबल म्यूजिक जंक्शन के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल से रिलीज हुआ है। वहीं, फिल्म के ट्रेलर को लेकर कल्लू ने खुशी जाहिर की और कहा कि फ़िल्म विद्यापीठ एक कमर्सियल और इंटरटेनिंग फिल्म है। मुझे यह फिल्म करके बहुत मजा आया। फिल्म के कास्ट एण्ड क्रू लाजवाब थी और योगेश राज मिश्रा के निर्देशन में यह फिल्म शानदार बन कर तैयार है। यह फिल्म आप सबों को पसंद आएगी। इसका निर्माण भव्य पैमाने पर किया गया। जहां तक मेरी भूमिका की बात है, तो पहली बार आप मुझे एक छात्र नेता के रूप में फिल्म में देखेंगे। उम्मीद करता हूं मेरा यह किरदार आप सबों को बेहद पसंद आने वाली है।

गोविंदा फिल्म्स एंटरटेनमेंट बैनर की फ़िल्म विद्यापीठ के प्रस्तुतकर्ता ग्लोबल म्यूजिक जंक्शन और आईएफए म्यूजिक वर्ल्ड हैं। लेखक मनोज पांडे हैं। फिल्म में अरविन्द अकेला कल्लू और आयुषी दत्त तिवारी के साथ जय शंकर पांडे,मनोज टाइगर, समर्थ चतुर्वेदी, कृष्ण कुमार, विनीत विशाल, मनोज पांडे, नूर अहमद तुबा, राहत शेख, इक्का कुशवाहा, अखिलेश कुमार 'अखीजी' कौशिकी सिंह, संजय पाठक, रवि पांडे, नंद कुँवर, अशोक, सूर्य प्रकाश मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में भारतीय फिल्म अकादमी के अभिनेता भी हैं। स्पेशल एपीयरेन्स में अभिनेत्री श्वेता महरा हैं। संगीत निर्देशक आज़ाद सिंह और विशाल सिंह हैं। गीतकार आज़ाद सिंह हैं। कोरियोग्राफर लक्की विश्वकर्मा हैं।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

आज समाज कहां जा रहा है प्रेम का अभाव हो चुका है स्वार्थी बन चुके हैं आज से एक संकल्प करे की प्रभु की वाणी को घर घर तक पहुंचाएंगे। परमात्मा जो देते हैं वो दिखाई नहीं देता है और जो नहीं देते हैं वो दिखाई देता है 'रूखेसू वाह' शालमली वृक्ष सुवर्णकुमार को बहुत पसंद है। देवता यहाँ आकर क्रीड़ा करते हैं। वैसे ही इस जीव को परमात्मा की शरण मुख्य होनी चाहिए और होती भी है पर पता नहीं चलता। जो शाल्मली वृक्ष फल फूल नहीं देता बल्कि आनंद देता है। हमें बबूल की छांव नहीं बल्कि कल्पवृक्ष की छांव मिली है वो भी स्वयं प्रभु परमात्मा की। वन मे नंदनवन श्रेष्ट है।

अनाज वितरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई। यहां वर्धमान साधर्मिक सेवा एवं जीव दया समिति की ओर से रविवार को 227-228 वां अनाज एव खाद्य सामग्री वितरण एएमकेएम के प्रांगण में साध्वीश्री चेतन्याश्रीजी म. सा. के सानिध्य में संस्था संरक्षक विनय चंद पावेचा, अध्यक्ष कमला मेहता, महामंत्री ललिता सुराणा, कोषाध्यक्ष विमला चौरडिया, सहकोषाध्यक्ष आरती नाहर, प्रिया अबानि, मंजू चौधरी, शोभा कांकलिया, महेन्द्र पुंगलिया आदि के द्वारा 150 साधार्मिक परिवारों को अनाज एवं खाद्य सामाग्री प्रति माह की भांति वितरण की गई। कमला मेहता ने सबका स्वागत करते हुए संस्था गतिविधियों पर प्रकाश डाला। इस मौके पर विनयचंद पावेचा के जन्म दिवस पर उनका सम्मान किया गया।

'असफलता से प्राप्त पहला महत्वपूर्ण सबक अनुभव है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां आचार्य श्री देवेंद्रसागरसूरीजी ने बिन्नी नोर्थटाउन जैन संघ के संघ भवन में प्रवचन देते हुए कहा कि असफलता किसी भी योद्धा का एक पंख होती है। गिरने के अनुभव के बिना उड़ने वाला व्यक्ति स्वयं को उड़ने वाला नहीं कह सकता। हममें से हर कोई पहले से ही किसी न किसी चीज़ में विफल रहा है, चाहे वह स्कूल के संगीत नाटक के दौरान एक उच्च नोट हिट करने में विफलता के रूप में सरल हो, या किसी व्यावसायिक सौदे को पूरा करने में विफल होने और पदोन्नति हासिल करने में विफलता के रूप में निराशाजनक हो, हम में से हर किसी ने अपने स्वयं असफलता के स्वाद का अनुभव किया है। जिंदगी में असफल होना जरूरी है। असफलता एक सीढ़ी है।

वास्तव में, जीवन के निम्न बहुत शक्तिशाली सबक हैं जिन्हें असफलता हमें सिखाने और विकसित करने में मदद करती है। आचार्य श्री ने आगे कहा कि असफलता से प्राप्त पहला महत्वपूर्ण

सबक अनुभव है। जब हम किसी चीज़ से गुजरते हैं और प्रत्यक्ष अनुभव के साथ आगे बढ़ सकते हैं, तो इससे हमें जीवन के प्रति गहरी समझ विकसित करने में मदद मिलती है। किसी चीज़ में असफल होने का अनुभव वास्तव में अमूल्य है। यह दर्द को प्रेरित करके हमारे दिमाग के ढांचे को पूरी तरह से बदल देता है। यह हमें चीजों की वास्तविक प्रकृति और हमारे जीवन में उनके महत्व पर विचार करने, हमारे भविष्य को बदलने और सुधारने में सक्षम बनाता है। असफलता अपने साथ महत्वपूर्ण प्रत्यक्ष ज्ञान लेकर आती है। उस ज्ञान का उपयोग भविष्य में उस विफलता से उबरने के लिए किया जा सकता है। असफलता से उबरने का सबसे अच्छा तरीका यह समझना है कि असफल होना बिल्कुल ठीक है। यदि आप इंटरनेट पर खोजें, तो आपको दुनिया के सबसे सफल लोगों की विफलता के बारे में अनगिनत कहानियाँ मिलेंगी। असफल होना ठीक है। लेकिन हार मान लेना ठीक नहीं है। भले ही आप असफल हुए और वह असफलता बेहद दर्दनाक थी, फिर भी हार मान लेना ठीक नहीं है। यदि आपको असफल होना ही है तो बार-बार असफल होते रहें। इसे तब तक करते रहें जब तक आप सफल न हो जाएं। जब आप उस तक पहुंचेंगे तो सफलता का स्वाद और भी अधिक मीठा हो जाएगा।

जैन विद्या परीक्षाओं का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। समण संस्कृति संकाय, लाड़नूं के तत्वावधान में जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा के निर्देशन में साध्वी लावण्यश्रीजी की प्रबल प्रेरणा एवं प्रशिक्षिकाओं के सहयोग से जैन विद्या की परीक्षाओं के 223 फॉर्म भरे गए।

परीक्षाएँ ऑनलाइन एवं ऑफलाइन तारीख 7 एवं 8 को नियोजित की गई। जैन विद्या भाग 1 से 4 तक की परीक्षा ऑनलाइन तारीख शनिवार को एवं जैन विद्या भाग 5 से 9 तक की परीक्षाएं तारीख रविवार को तेरापंथ जैन विद्यालय, साहूकारपेट के प्रांगण में हुई। परीक्षा के कुल 223 फॉर्म भरे गए, जिसमें 152 फॉर्म भाग 1 से 4 तक एवं 71 फॉर्म भाग 5 से 9 तक भरे गए। इन परीक्षा के आयोजन में तेरापंथ सभा सदस्यों एवं ज्ञानशाला की प्रशिक्षिकाओं ने महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। चेन्नै (साहूकारपेट) केंद्र व्यवस्थापक हरीश भंडारी एवं सभा के शिक्षा प्रभारी हेमंत मालू का सहयोग रहा। परीक्षाओं के निरीक्षण हेतु तेरापंथ सभाध्यक्ष उगमराज साड़, निवर्तमान अध्यक्ष प्यारेलाल पितलिया, मंत्री अशोक खतंग उपस्थित रहे। करीब 200 विद्यार्थियों ने परीक्षाएं दी।

कृत्रिम अंगदान शिविर का आयोजन 12 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। हरिओमस्माईल्स एक एनजीओ संस्था है,जिनकी संस्थापक मोनिका सिंघल हैं। श्रीमती सिंघल मोटिवेशनल स्पीकर, लाइफ कोच है। इस एनजीओ की स्थापना सन 2015 में की गई थी। मुट्ठी भर लोगों के साथ शुरू किए गए इस संस्थान की यात्रा अब घर घर, शहर-शहर, देश विदेश तक पहुंच चुकी है। इनके बहुत सारे कोर्स ऑनलाइन संचालित है जिनका कोई शुल्क नहीं है, इनका मानना है कि प्रकृति की अनमोल चीजों का कोई मोल नहीं होता जैसे जल, हवा, धूप वैसे ही संस्थान द्वारा दिया गया ज्ञान भी अनमोल है। इन्होंने अपने ऋषि मुनियों द्वारा बताए गए ज्ञान के पीछे के साइंस को बहुत ही सरल और सहज तरीके से आम जनता तक पहुंचाया है।इनके द्वारा बताए गए सरल ज्ञान को अपनाकर लाखों लोगों की कई कई वर्षों की लाइलाज बीमारियां ठीक हुई हैं। चेन्नई स्थिति आदिनाथ जैन ट्रस्ट चुलै में भी ये अंगदान शिविर 12 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से लगाया जा रहा है। इस कार्यक्रम में स्वयं सिंघल आएंगी और दिव्यांगों को कृत्रिम अंग प्रदान करेंगी।

उड़ान ने भरी नई उड़ान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। गत 7 अक्टूबर को एक्सप्रेस एवेन्यू मॉल में 'उड़ान' का समारोह हुआ। सर्वोदय हरिजन छात्रावास, चेटपेट से 65 लड़कियों को एक ऐसी सुबह के लिए लाया गया था जिसे पहले कभी नहीं अनुभव किया गया था। शानदार संगीत व्यवस्था के साथ गरबा, डांडिया और सानेडो नृत्य का एक अद्भुत दौर, जिसमें उड़ान के सदस्यों ने सिखाया और भाग भी लिया, ने समां बांध दिया। यह मॉल के मुख्य एट्रियम में था और अनेक आगंतुक सभी मंजिल की बालकनियों से इसे देख रहे थे।

इसके बाद विभिन्न खेल क्षेत्रों में खेलों का दौर, 3डी मूवी शो, विशेष बर्फ की दुनिया की यात्रा, सदस्यों के साथ बातचीत, प्रत्येक छात्र को उपहार और दोपहर के भोजन का आयोजन किया गया। तमिलनाडु के ग्रामीण इलाकों की ये लड़कियाँ, जो अपनी पढ़ाई के लिए चेन्नई में रह रही थीं, दोपहर तक चलने वाली एक मज़ेदार सुबह का आनंद लिया। उड़ान एक सामाजिक महिला समूह है जिसका उद्देश्य समाज के वंचित सदस्यों को खुशी और मनोरंजन प्रदान करना है। एक पूरी तरह से स्व-वित्त पोषित समूह, वे पिछले 4 वर्षों से, लगभग मासिक आधार पर, चेन्नई संस्थानों में आनंद प्रदान कर रहे हैं। इससे मिलने वाली खुशी से प्रेरित होकर, महिलाओं का यह छोटा समूह अधिक स्वयंसेवकों के साथ तेजी से विस्तार कर रहा है, जो इस उद्देश्य के लिए समय, प्रयास और पैसा देने के लिए तैयार हैं। एक्सप्रेस एवेन्यू मॉल की कविता को उनकी सुविधाओं के लिए, सुनीता अग्रवाल को उनके प्रयासों के लिए और सर्वोदय गर्ल्स हॉस्टल के प्रबंधकों को उड़ान धन्यवाद देती है।

मन पुद्गल से बना है और आत्मा चैतन्य है : आचार्य उदयप्रभ सूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। किलपॉक जैन संघ में विराजित योगनिष्ठ आचार्य केशरसूरी समुदाय के वर्तमान गच्छाधिपति आचार्यश्री उदयप्रभ सूरीश्वरजी ने प्रवचन में मन और आत्मा के अंतर पर प्रकाश डालते हुए कहा आत्मा स्वतंत्र है और मन पराधीन है। मन पुद्गल से बना है और आत्मा चैतन्य है। मन को हर भव में बनाना पड़ता है, इसे मन:पर्याप्ति कहते हैं जबकि आत्मा को क्रिएट नहीं करना पड़ता है, यह अनादिकाल से हमारे साथ है। मन जो भी चिंतन करता है, वह पूर्व अनुभव, वर्तमान विचार और भविष्य की योजना को लेकर करता है। मन के तीन लक्षण है स्मृति, कल्पना और चिंतन। जबकि आत्मा ज्ञान, दर्शन, चारित्र, उपयोग, तप और वीर्य का स्वामी है। आत्मा की पर्याप्ति नहीं होती, जबकि मन की पर्याप्ति होती है। जहां-जहां आत्म प्रदेश है वहां- वहां मन है। हाल में हमारी आत्मा मन की गुलाम बनकर रही हुई है। हमारी आत्मा में शक्ति बहुत है लेकिन वह मन, इंद्रियों की परतंत्र बनी हुई है। मन, मति, बुद्धि, प्रज्ञा, चित्त सब पर्यायवाची है। आत्मा इन सबसे अटकी हुई है। इंद्रियां भी मन के अनुसार प्रवर्त होती है। मन ने उपेक्षा की तो इंद्रियां स्वत: शांत हो जाएगी। मन जिसके अंदर जुड़ता है, इंद्रियां उसके अनुसार नाचती है। गुरुदेव ने कहा मात्र मतिज्ञान से शुभ चिंतन व ध्यान करते-करते भी केवल ज्ञान मिल सकता है। ध्यान एक वस्तु पर मन को केंद्रित करने का कार्य करता है, वहीं, चिंतन कई बातों का होता है। सर्वज्ञ के पास भी मन तो होता है लेकिन वे उसका उपयोग नहीं करते। देवलोक के देव परमात्मा के मन को अवधि ज्ञान से देखते हैं। मन जब गलत सोचने लगता है तो मति अज्ञान प्रकट होता है, आज हमारी हालत वही है। आचार्यश्री ने सरिता व समुद्र जैसे ज्ञान की महानता बताते हुए कहा कि सरिता छोटी है लेकिन स्थिर है। जबकि समुद्र बड़ा है लेकिन अस्थिर है। अल्पज्ञान मोक्ष दे सकता है परंतु विकृत ज्ञान मोक्ष नहीं दे सकता। तात्पर्य यह है कि ज्ञान विराट हो पर वह अस्थिर है तो लाभदायी नहीं होगा। अल्पज्ञान भी चित्तस्थिरता से लाभदायी होगा। ज्ञान कम होगा तो चलेगा, विकृत ज्ञान नहीं चलेगा। वर्तमान में क्रिया खूब बढ़ी है, यह अच्छी बात है लेकिन क्रिया को ही धर्म मान लेना उचित नहीं है। जब तक तत्व का स्पर्श नहीं करोगे, हमारी क्रिया मोक्ष नहीं देगी। इसके लिए तत्वज्ञानी के साथ रहना पड़ेगा। ज्ञानी के मात्र शब्द ही नहीं, हावभाव, व्यवहार भी ज्ञान देता है। हमें मात्र पुस्तक का ज्ञान ही नहीं बल्कि अनुभव का ज्ञान भी अर्जन करना चाहिए। उन्होंने कहा मरण पांच प्रकार के हैं अभी आविची मरण, अवधि मरण, अत्यांतिक मरण, बाल मरण और पंडित मरण। आविची मरण यानी पल- पल अपने आयुष्य का स्टोरेज कम होते जाना। मृत्यु कभी भी आए, हमें उसका स्वागत करने के लिए तैयार रहना चाहिए। अवधि मरण यानी समय पूरा होने पर मरण होना। बाल मरण यानी चिंता, वेदना, शोक, पीड़ा आदि में जो मरण होता है। पंडित मरण यानी सर्वविरतिधरों का मरण। यह उन्हें मिल सकता है, जिन्होंने जीवन में व्रत, पच्छक्खाण आदि अच्छे से पाले हो और उनको गुरु का सान्निध्य मिला हो। गुरुदेव ने कहा सुंदर भावनाएं हमें अनुकूलता प्रदान करती है, किए हुए भाव निष्फल नहीं जाते। इसलिए मनोरथ हमेशा शुभ रखना चाहिए।

कोयम्बटूर में 480 तपस्वियों ने की आयंबिल तपस्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां के श्री वर्धमान जैन आयंबिल खातु के 53 वर्षगांठ के अवसर आयंबिल दिवस समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कोयम्बटूर में विराजित आचार्य कुंद कुंदसूरीस्वर जी, आचार्य विनयधर्मसूरीश्वरजी, मुनिश्री मुक्ति प्रभ सागरजी, मुनिश्री मनिस्प्रभसागरजी, मुनिश्री मतिश प्रभसागरजी, साध्वीश्री उदितप्रभा और साध्वीश्री विरेशपद्मासूरीजी, साध्वीजी मयूरयशा श्रीजी की निश्रा में यह धर्म सभा में साधु भगवंत और साध्वीजी ने प्रवचन दिया। सभी ने जैन समुदाय में तपस्या की खास कर आयंबिल की विशेषता पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में खरतरगच्छ के गच्छाधिपति आचार्यश्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती मुनिश्री स्थविर मुक्तिप्रभसागरजी, गणिवर्य मुनिश्री मनीषप्रभसागरजी ने भी आशीवर्चन कहे। आयंबिल खातू के अध्यक्ष अध्यक्ष मांगीलाल परमार ने बताया कि गत 53 वर्षो से जैन समुदाय के लोग बिना भेदभाव से आयंबिल तपस्या 365 दिन करते आ रहे हैं जो कि प्रशंसनीय है। सचिव अरविंद शांतिलाल ने आयंबिल खातू के बारे में विस्तृत जानकारी और रिपोर्ट पढ़ी। 480 तपस्वियों ने आयंबिल किए और 7 जैन युवक मंडल, महिला मंडल ने आयोजन में अहम योगदान दिया।

जैन महासंघ के तत्वावधान में सामूहिक क्षमापना कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। साहूकारपेट जैन महासंघ के तत्वावधान में तेरापंथ सभा भवन साहूकारपेट में महिलाओं के लिए क्षमायाचना का भव्य आयोजन चारों संप्रदाय की साध्वीयों के सानिध्य में रखा गया। तेरापंथ समाज से आचार्य महाश्रमणजी की शिष्या साध्वीश्री लावण्यश्री, साध्वीश्री सिद्धांतश्री एवं साध्वीश्री दर्शितप्रभा एवं मूर्तिपूजक संप्रदाय से साध्वीश्री स्वर्णाजनाश्री, साध्वीश्री काव्यरत्नाश्री एवं साध्वीश्री रैवरत्नाश्री; स्थानकवासी संप्रदाय से साध्वीश्री सुप्रभाश्री की गरिमामय उपस्थिति रही।

तेरापंथ महिला मंडल चेन्नई की अध्यक्षा लता पारख ने आगंतुकों का स्वागत करते हुए कहा क्षमा तुम ही ज्ञान और आकाश हो, क्षमा तुम ही पूर्णता हो, इतना महत्वपूर्ण होता है क्षमा और इससे भी ज्यादा महत्व सम्पूर्ण विश्व में क्षमा महोत्सव का मनाना। जो आत्मा को परमात्मा में परिवर्तित कर देता है।

मूर्तिपूजक संप्रदाय से रमीला बेन ने कहा अवचेतन मन की शक्ति इतनी अद्भुत है कि आपकी पुरी जिंदगी बदल देती हैं, क्षमा शब्द छोटासा पर आत्मा को जगा देता है और तेरापंथ महिला मंडल के लिए विशेष कहा कि अनुशासन, मौन लगन, पुरुषार्थ और निष्ठा की प्रतीक है। जैन महासंघ महिला समिति से मंजू बेन ने स्वागत करते हुए कहा आज जैन महासंघ के आग्रह को स्वीकार करते हुए सभी साध्वीश्रीजी यहां पधारे हैं, जैन महासंघ हमेशा आपका ऋणी रहेगा। आज चारों संप्रदाय के साध्वीश्रीजी को एकसाथ वंदन, क्षमायाचना का भव्य अवसर मिला है और सभी श्राविकाओं से भी क्षमायाचना करती हूँ।

साध्वी लावण्यश्री ने फरमाया कि क्षमा रूपी बावना चंदन हमारे पास है, तो हम हर प्राणी से मित्रता स्थापित कर सकते हैं। हमें बाहर से भीतर की ओर देखना चाहिए और विभाव से स्वभाव में जाएं। मैत्री का पर्व हमें क्षमा का आदान-प्रदान सिखाता है, हम इस महापर्व पर एक दूसरे से क्षमा करके अपने आपको हल्का महसूस कर सकते हैं।

साध्वी स्वर्णाजनाश्री ने फरमाया कि कषाय भावों का विसर्जन, क्षमा का अर्जन, ज्यादा बारिश से कचरा भी साफ हो जाता है, वाणी रूपी पानी हमारे भीतर बरसा है तो अंतर की सफाई करता है। साध्वी रैवरत्नाश्री ने ऐतिहासिक घटना के माध्यम से क्षमा का महत्व बताया। अपने अस्तित्व को पहचानने के माध्यम सकारात्मकता है। साध्वी सुप्रभाजी ने फरमाया वैर और क्षमा के दो-दो अक्षर हैं। एक दुनिया से दूर करता है और एक दुनिया के पास रखना सिखाता है। साध्वी रत्नश्री महाराज ने फरमाया वचनों के तीर से दूसरे के मन बिंद देते हैं। ग्यारवा प्राण क्षमा है इसको हराने वाला क्रोध है। शुद्ध हृदय से क्षमा मोक्ष की और अग्रसर करता है। साध्वी सिद्धांतश्री ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए फरमाया कि क्षमा विरस्य भूषणम- क्षमा वीरों का आभूषण है। क्षमा छोटा सा शब्द आत्मा को हल्का बना देता है।

क्षमायाचना कार्यक्रम में चेन्नई से 39 मंडल की सैकड़ों महिलाओं की गरिमामय उपस्थिति रही। तेरापंथ महिला मंडल से पूजा भंडारी, गरिमा आच्छा, वंदना पगारिया, अंजू आच्छा, सपना सेठिया ने क्षमायाचना पर्व के उपलक्ष्य में प्रेरणास्त्रोत नाटिका की प्रस्तुति दी। इसी कड़ी में दूसरे सत्र में जैन महिला सम्मेलन का आयोजन किया। मंत्री हेमलता नाहर ने संचालन करते हुए कहा 'नारी तू बैल नही संपूर्ण वृक्ष है, तू स्वयं के अस्तित्व को पहचान है' एक खूबसूरत कविता श्रृंखला है, जिसमें नारी के जीवन के संघर्ष और उसके साहस की प्रभावी पहचान और अभिव्यक्ति देखने को मिलती है।

साध्वी दर्शितप्रभाजी ने कहा की नारी के अनेकों रूप और सिर्फ नारी को ही क्यों करना होता है। आपका उद्देश्य क्या है?

जैन महासंघ से मंजू बेन द्वारा तेरापंथ महिला मंडल का अभिनंदन माला और शाल से किया गया। विभिन्न मंडलों के सम्मान के कार्यक्रम का संचालन श्रीमती वंदना खटेड ने किया। तेरापंथ महिला मंडल की ओर से समागत समस्त महिला संस्था के प्रमुख का साहित्य एवम जैन पट् के द्वारा सम्मान किया गया।

'परमात्मा की अमृतमय वाणी ही सत्य है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। विषयों और विकारों को छोड़ने वाले मनुष्य के जीवन में सुख आने में ज्यादा समय नहीं लगता है। मंगलवार साहुकारपेट जैन भवन महासती धर्मप्रभा ने श्रद्धालुओं को धर्म उपदेश देते हुए कहा कि परमात्मा की वाणी मीठी और अमृत के समान है जो व्यक्ति भगवान की वाणी को अपने जीवन मे समावेश कर लेता है। वह संसार की सम्पूर्ण पीड़ाओं और दुखों से छुटकारा प्राप्त कर लेता है। तथा भोगों और कषायों के साथ विषयों के विकारों में लिप्त रहने वाला इंसान हमेशा दुखी और पीड़ाओ व संकटों में गिरा हुआ रहता है। ऐसा व्यक्ति जीवन प्रयाय सुख नहीं भोग सकता है। यह संसार असार है परमात्मा की वाणी सत्य है। इस वीतराग वाणी को जो भीतर में उतार लेता है और उसे आत्म साध कर लेता है। वह मनुष्य संसार के भौतिक वस्तुओं और विकारों के मोह से छुटकारा प्राप्त करके वह अपनी आत्मा को शुद्ध बनाकर मोक्ष गति दिलवा सकता है। साध्वी स्नेहप्रभा ने उत्ताराध्यय अध्ययन शास्त्र की गाथाओं का वर्णन करतें हुए बताया मनुष्य की दिशा अगर सही है तो वह अपनी तकदीर को बदल सकता है और संसार के तुच्छ साधनों को प्राप्त करने मे लग गया तो वह मनुष्य भव को बर्बाद और नीलम करके अपने भव को बिगाड़ लेगा।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.